मध्यप्रदेश का सबसे तेज बढ़ता सांध्य दैनिक

अमृत दर्शन

भोपाल, नर्मदापुरम एवं रायसेन से एक साथ प्रकाशित

RNI NO. 50259/90
वर्ष : 36
अंक : 181
भोपाल, मंगलवार
02 सितंबर 2025
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रु.

03 आईएएस अफसरों को देना होगा ऑनलाइन प्रॉपर्टी विवरण

www.amritdarshan.com
Email : amritdarshan@yahoo.com

महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप की प्राइज मनी पुरुषों से ज्यादा 06

भोपाल में आयकर विभाग की बड़ी कार्रवाई

साइंस हाउस ग्रुप के कई ठिकानों पर तड़के छापेमारी

भोपाल, इंदौर, मुंबई समेत कई शहरों में कार्रवाई, करोड़ों की टैक्स चोरी की आशंका

भोपाल ■ अमृत दर्शन

आयकर विभाग ने भोपाल, इंदौर, मुंबई समेत कई शहरों में तीस से अधिक ठिकानों पर छापे मारे हैं। कार्रवाई भोपाल के एमपी नगर स्थित साइंस हाउस मेडिकल प्राइवेट लिमिटेड (एसएचएमपीएल) और इंदौर में उसके सहयोगी संस्थानों के ठिकानों पर की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, छापे के दौरान भारी मात्रा में टैक्स चोरी के दस्तावेज जब्त किए गए हैं। उनकी जांच जारी है। टीम सुबह करीब 5 बजे साइंस हाउस पहुंची। फिलहाल अफसर, इसके संचालक जितेंद्र तिवारी और उनके सहयोगी सॉफ्टवेयर इंजीनियर रोहित गुप्ता, कंसल्टेंट दिनेश बारोलिया, शिखा राजोरिया से पूछताछ कर रहे हैं।

साइंस हाउस का मेन ऑफिस भोपाल में गौतम नगर के मकान नंबर सी-25 में 1994 से चल रहा है। कंपनी देशभर में मेडिकल इक्विपमेंट्स की सप्लाई करती है। डायग्नोस्टिक सर्विस भी देती है। पैथालॉजी लैब और निजी अस्पताल को भी सेवाएं भी उपलब्ध कराती हैं। विभाग की टीम ने गौतम नगर स्थित साइंस हाउस ग्रुप के दफ्तर सहित कई ठिकानों पर तलाशी ली। कार्रवाई के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए सीआरपीएफ के जवान तैनात किए गए थे।

एक अन्य टीम लालघाटी के पंचवटी पार्क क्षेत्र में मेडिकल सर्जिकल उपकरणों के व्यापारी राजेश गुप्ता के निवास पर भी कार्रवाई की जा रही है। राजेश गुप्ता लिनन का बड़ा कारोबार है। यह सरकारी विभागों में पॉवरलूम के माध्यम से बड़ी सप्लाई करते है।

साइंस हाउस ग्रुप के ऊपर पहले भी हो चुकी है कार्रवाई

अनूपपुर जिले में स्वास्थ्य विभाग से जुड़ी खरीद-फरोख्त में साइंस हाउस और अनु सेल्स का बड़ा घोटाला सामने आया था। इस मामले में आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो ने जांच में पाया कि स्वास्थ्य उपकरणों और दवाओं की आपूर्ति अत्यधिक कीमतों पर की गई थी। इस मामले में करोड़ों रुपये के गड़बड़ी की पुष्टि हुई है। ईओडब्ल्यू ने कार्रवाई करते हुए सप्लाई कंपनी के निदेशकों जितेंद्र तिवारी और शैलेंद्र तिवारी को गिरफ्तार किया था।

संक्षिप्त समाचार

जगदीप धनखड़ को विदा करने पहुंचे दो दर्जन वकील

नई दिल्ली। देश के पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ उपराष्ट्रपति एनक्लेव से निजी आवास में शिफ्ट हो चुके हैं। बड़ी बात यह है कि इस मौके पर 24 से ज़्यादा वकीलों ने उन्हें

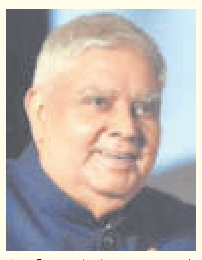

विदाई दी, कई अधिवक्ता तो जगदीप धनखड़ के साथ उनके दक्षिण दिल्ली स्थित फर्महाउस तक गए थे। बताया जा रहा है कि ज्यादातर वकील अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद से जुड़े हुए हैं। जानकारी के लिए बता दें कि जगदीप धनखड़ इस निजी बंगले में तब तक रहेंगे जब तक सरकार से उन्हें दूसरा आवास नहीं मिल जाता। इस समय धनखड़ इंडियन नेशनल लोकदल के नेता अभय चौटाला के स्वामित्व वाले एक प्राइवेट फार्महाउस में रहने वाले हैं। जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई को मानसून सत्र के पहले दिन अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। उस समय उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया था, लेकिन विपक्षी पार्टियों ने इसे ना सिर्फ राजनीति से जोड़ा बल्कि मोदी सरकार की एक कथित साजिश तक बता दिया। अभी के लिए देश में फिर उपराष्ट्रपति चुनाव होने जा रहे हैं।

जिन रेल कर्मचारियों का एसबीआई में खाता उन्हें मिलेगा 1 करोड़ का दुर्घटना बीमा

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने अपने कर्मचारियों के लिए बड़ी घोषणा की है। एसबीआई वेतन खाते वाले रेलवे कर्मचारियों को एक करोड़ रुपये का दुर्घटना मृत्यु बीमा मिलेगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की उपस्थिति में सोमवार को भारतीय स्टेट बैंक के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया। अभी तक केंद्रीय सरकारी कर्मचारी समूह बीमा योजना के तहत

ग्रुप ए, बी और सी कर्मचारियों को क्रमश : केवल 1.20 लाख, ?60,000 और 30,000 का कवर मिलता था। इसके समझौते के तहत कर्मचारियों को प्राकृतिक मृत्यु पर भी 10 लाख का बीमा कवर मिलेगा। इसके लिए न तो प्रीमियम देना होगा और न ही कोई मेडिकल जांच करानी होगी।

मोहन कैबिनेट की बैठक में कई अहम फैसले

धार में बनेगा पीएम मित्र पार्क, 4 लाख युवाओं को मिलेगी नौकरी

कल इस पार्क के रोड शो का आयोजन

इंदौर-उज्जैन मार्ग फोरलेन योजना को मिली मंजूरी, सिंहस्थ की तैयारियों पर भी चर्चा

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में कैबिनेट बैठक हुई। बैठक में राज्य के विकास के लिए अहम फैसले लिए गए। इस बैठक में सिंहस्थ महाकुंभ 2028 की तैयारियों पर चर्चा की गई। साथ ही, इंदौर-उज्जैन मार्ग को फोरलेन बनाने के प्रस्ताव पर भी चर्चा की गई। कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए प्रमुख निर्णयों की जानकारी दी।

कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि धार में पीएम मित्रा पार्क की स्थापना की जा रही है, जो देश में कॉटन क्रांति की शुरुआत का प्रतीक बनेग। इंदौर और पीथमपुर में पहले से ही बड़ी कॉटन इंडस्ट्री मौजूद है। 3 सितंबर को इस पार्क के रोड शो का आयोजन किया जाएगा। इसमें केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह भी शामिल होंगे। इस रोड शो में देश-विदेश से लोग हिस्सा लेंगे। पार्क में 120 प्रति वर्ग मीटर विकास शुल्क लिया जाएगा। साथ ही, पहले आने वाले निवेशकों को जमीन आवंटित की जाएगी। मंत्री विजयवर्गीय ने यह भी बताया इस योजना से 3 लाख युवाओं को रोजगार मिलने की संभावना जताई गई है। साथ ही एक लाख युवाओं को अप्रत्यक्ष रुप से रोजगार मिलेगा।

यह भी होगा

- 972.16 करोड़ की लागत से नर्मदापुरम-टिमरनी रोड भी बनेगा
- 72 किमी लंबा रोड हाइब्रिड एन्यूटी मॉडल से बनेगा।
- इसमें भी अंडरपास, फ्लाईओवर और जंक्शन शामिल हैं।

पीडब्ल्यूडी ने तैयार किया प्रस्ताव

इंदौर से उज्जैन तक ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे पर सर्विस रोड बनाने और उज्जैन में नए ओवरब्रिज के निर्माण को भी स्वीकृति दी गई। जानकारी के अनुसार, यह मार्ग सिंहस्थ महाकुंभ के दौरान भारी यातायात का सामना करेगा। साथ ही, इसके फोरलेन बनने से यातायात की सुविधा बढ़ेगी और दुर्घटनाओं के खतरे में भी कमी आएगी। इसके साथ ही हर घर नल जल योजना पर चर्चा।

अधूरी नल जल योजना पूरा करेगी सरकार

प्रदेश में जल जीवन मिशन के अधूरे कामों के लिए अब राज्य सरकार खुद खर्च उठाएगी। केंद्र सरकार ने इस योजना के लिए नया फंड देने से मना कर दिया है। इसके बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की कैबिनेट ने मंगलवार को फैसला लिया कि 8358 अधूरी नल-जल योजनाओं को पूरा करने के लिए 9026.97 करोड़ रुपए राज्य सरकार खर्च करेगी। कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि मध्य प्रदेश में हर घर तक शुद्ध जल पहुंचाने के उद्देश्य से नल जल योजना को काफी सफलता मिली है। जल जीवन मिशन के तहत इस योजना का अच्छा कार्यान्वयन हुआ है। साथ ही, इसे जल्द ही पूरा किया जाएगा।

इंदौर में अपने पिता केंद्रीय मंत्री सिंधिया के साथ खजराना गणेश के दर्शन किए

29 साल के महानआर्यमन बने एमपीसीए के सबसे युवा अध्यक्ष

इंदौर ■ अमृत दर्शन

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के बेटे महानआर्यमन सिंधिया मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एमपीसीए) के निर्विरोध अध्यक्ष चुन लिए गए हैं। उनके साथ पूरी कार्यकारिणी का चुनाव भी निर्विरोध हुआ है। 29 साल के महानआर्यमन एमपीसीए के सबसे युवा अध्यक्ष हैं। एमपीसीए की वार्षिक साधारण सभा (एजीएम) मंगलवार को इंदौर के होलकर स्टेडियम में हुई। इसमें नई कार्यकारिणी चुने जाने की घोषणा की गई। बैठक में ज्योतिरादित्य सिंधिया भी मौजूद रहे।

इससे पहले ज्योतिरादित्य ने महानआर्यमन के साथ खजराना गणेश मंदिर में दर्शन किए। उनके साथ मंत्री तुलसीराम सिलावट भी मौजूद रहे। एजीएम के लिए ज्योतिरादित्य और महानआर्यमन सिंधिया सोमवार रात ही इंदौर पहुंच गए थे। इंदौर में चौक-चौराहों पर महानआर्यमन को बधाई संदेश वाले बैनर-होर्डिंग लगे हैं।

सिंधिया पैनल के सुधीर असनानी एमपीसीए के सचिव बने हैं। अरुंधति किरकिरे सहसचिव, विनीत सेठिया उपाध्यक्ष, संजीव दुआ कोषाध्यक्ष बने हैं। मैनेजिंग कमेटी में संध्या अग्रवाल, प्रसून कनमड़ीकर, राजीव रिसोड़कर और ब्रजेश राणा को चुना गया है। साल 2019 में सिंधिया के समर्थन से वरिष्ठ पत्रकार अभिलाष खांडेकर इसके अध्यक्ष बने थे। अध्यक्ष पद के लिए महानआर्यमन सिंधिया एकमात्र उम्मीदवार हैं और उनके सामने किसी अन्य ने नामांकन नहीं भरा है, इसलिए उनका निर्विरोध चुना गया।

अंतर्मना उवाच

पर्वों के पर्वराज का छठा चरण - उत्तम संयम

संयम का अर्थ है- बैलेंस बना कर जीना..!

संयम चर्चा का विषय नहीं, ये आत्म तत्व अनुभूति है।

समय का कैसा मोड़ है, रात दिन की दौड़ है.. तप, त्याग, संयम, सद्गुण ग्रहण का भाव नहीं.. सुख, शांति, अर्थ वासना की चाह में.. असंयम की होड़ है..!

दुखी रहना है तो असंयम की ओर दौड़ो और सुखी रहना है तो संयम, सद्गुण और संस्कार को आत्मसात करो। महावीर भगवान से पूछा, भगवन..! दुनिया का सबसे बड़ा धर्म कौन सा है..!महावीर ने कहा- **अहिंसा संयमो तवो** अहिंसा, संयम और तप ही धर्म के प्राण है। जिस मजहब में, इन तीन की उपासना हो, पूजा हो, आराधना हो, इनका बहुमान-सम्मान हो, वही सबसे बड़ा धर्म और धर्मात्मा है। क्योंकि **अहिंसा, संयम, चरित्र और तप को गिरवी रखकर यदि हम पद, पैसा, प्रतिष्ठा, शोहरत को हासिल कर भी लें, तो समझना बहुत महंगा सौदा किया है।** चारित्र विश्व विधालय है, संयम पाठशाला है, तप - इच्छाओं को वश में करने का मूल मंत्र है और अहिंसा सौभाग्य का सिन्दूर है। इनके बिना मनुष्य जीवन ऐसा ही है, जैसे गधे ने शेर की खाल ओढ़ ली हो। इसलिए **जीवन में मरने से पहले एक व्रत, नियम, संयम लेकर ही मरना अन्यथा मनुष्य जन्म का कोहिनूर हमने कामना - वासनाओं के कौआ को उड़ाने में गंवा दिया।**

यदि आप किसी घर के मेहमान बनो तो आँखों पर इतना संयम रखना कि उसके सद्गुण, संस्कार और सत्कार्य के अलावा कोई बुराई ना दिखे और जब उसके घर से जाओ तो अपनी जुबान पर काबू रखना, उसके घर की इज्जत और अतिथि सत्कार दोनों सलामत रहे...!!!

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

सूडान में भूस्खलन

1000 लोगों के मारे जाने की आशंका

नई दिल्ली, एजेंसी। सूडान के पश्चिमी क्षेत्र दारफुर में भूस्खलन के कारण 1000 लोगों के मारे जाने की खबर है। इस देश पर नियंत्रण रखने वाले विद्रोही समूह- सूडान लिबरेशन मूवमेंट-आर्मी ने सोमवार को बताया कि कई दिनों की भारी बारिश के बाद तरासिन गांव में रविवार को भूस्खलन हुआ। रिपोर्ट्स के मुताबिक ये गांव मध्य दारफुर के मर्राह पर्वतों के बीच है। इसे हाल के कुछ वर्षों की सबसे भयानक प्राकृतिक आपदा माना जा रहा है। सूडान लिबरेशन मूवमेंट-आर्मी ने बताया कि तरासिन गांव में रहने वाले लगभग सभी लोगों की मौत हो चुकी है। केवल एक व्यक्ति ही जीवित बचा है। अनुमान है कि लगभग एक हजार लोग मारे गए हैं। गांव पूरी तरह से तबाह हो चुका है। राहत और बचाव कार्य चलाने में मदद और मलबे के नीचे दबे शवों को बरामद करने के लिए संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय सहायता समूहों से गुहार लगाई गई है। स्थानीय मीडिया द्वारा एक वीडियो साझा किया गया है।

आप विधायक पठानमाजरा पुलिस हिरासत से फरार

करनाल में पुलिस पर फायरिंग गाड़ी चढ़ाने का आरोप

चंडीगढ़, एजेंसी। पटियाला के सन्नौर हलके से आप विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा को पुलिस ने हरियाणा के करनाल से

गिरफ्तार कर लिया है। जब पुलिस उन्हें थाने ले जा रही थी, उसी दौरान पठानमाजरा व उनके साथियों ने पुलिसकर्मियों पर फायरिंग कर दी और गाड़ी चढ़ाने की भी कोशिश की। इससे एक पुलिस कर्मी घायल हो गया। बाद में पठानमाजरा व उसके साथी मौके से गाड़ियों में फरार हो गए। जानकारी के मुताबिक पठानमाजरा की गिरफ्तारी धारा 376 आईपीसी यानी दुष्कर्म के एक पुराने मामले में की गई थी। विधायक की सुरक्षा भी सरकार की ओर से वापस ली जा चुकी है। क्योंकि पठानमाजरा लगातार अपनी ही सरकार के खिलाफ बयानबाजी कर रहे थे।

जरांगे की सीएम फडणवीस को चेतावनी

लाठीचार्ज हुआ तो दिखा देंगे कि मराठा क्या होते हैं?

मुंबई ■ एजेंसी

मुंबई पुलिस ने मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे को नोटिस जारी कर मुंबई का आजाद मैदान खाली करने को कहा है। पुलिस ने यह नोटिस बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश के आलोक में दिया है। बता दें कि आज जरांगे के आंदोलन का पांचवां दिन है। उन्होंने अनिश्चितकालीन अनशन के चौथे दिन जल त्याग करने का एलान किया, जिसके बाद समर्थकों में काफी आक्रोश भी देखा गया। राज्य के विपक्षी दलों ने आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की सरकार जरांगे के आंदोलन को

अनदेखा कर रही है। विरोध प्रदर्शन के पांचवें दिन जरांगे ने कहा, मैं सरकार से बातचीत के लिए तैयार हूं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, अगर आप भी ऐसा करेंगे तो मैं किसी भी हद तक जा सकता हूं। जब तक मेरी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, मैं यहां से नहीं जाऊंगा। अगर आप हमें गिरफ्तार करने या मुंबई से बेदखल करने की कोशिश करेंगे, तो यह आपके लिए ख़तरनाक होगा।

हाईकोर्ट के आदेश पर जरांगे ने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि हाईकोर्ट गरीब मराठों को न्याय देगा। हम हाईकोर्ट के सभी निर्देशों का पालन कर रहे हैं। 4,000 से 5,000 प्रदर्शनकारी हैं। जारंगे ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री फडणवीस हाईकोर्ट को गलत जानकारी दे रहे हैं और उन्हें इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।इससे पहले जरांगे के आंदोलन में शर्तों के कथित उल्लंघन का संज्ञान लेते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को नाराजगी प्रकट की थी।

कांग्रेस-आरजेडी के मंच से मां की गाली पर पीएम मोदी ने दिया जवाब

ये गालियां मेरी मां का ही नहीं बल्कि देश की मां-बहन-बेटी का अपमान

नई दिल्ली ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के लोगों के सामने अपशब्द वाला विवाद उठाया है। उन्होंने जोर देकर कहा है कि जो गालियां उनकी मां को दी गई हैं, असल में वो देश की हर मां का अपमान है। ये सब बोलते वक्त पीएम मोदी खासा भावुक भी हो गए, उनकी आंखें नम दिखाई दीं। पीएम मोदी ने यहां तक कहा कि उनकी मां ने काफी गरीबी में उन्हें पाला है, कई बलिदान दिए हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमारी सरकार के लिए मां की गरिमा, उसका सम्मान, उसका स्वाभिमान बहुत बड़ी प्राथमिकता है। मां ही तो हमारा संसार होती है, मां ही हमारा स्वाभिमान होती है। इसके बाद पीएम मोदी ने बिहार

की महिलाओं से बोला कि मुझे ये देखकर खुशी हो रही है कि जीविका निधि की व्यवस्था पूरी तरह डिजिटल है। मैं बिहार की माताओं-बहनाओं को बहुत बधाई देता हूं और इस अद्भुत पहल के लिए मैं नीतीश कुमार और बिहार की एनडीए सरकार का भी अभिनंदन करता हूं।

इसके बाद अपशब्द विवाद पर अपने विचार रखते हुए पीएम मोदी ने कहा कि बिहार में कुछ दिनों पहले जो हुआ। उसकी मैंने कल्पना भी नहीं की थी। बिहार में आरजेडी-कांग्रेस के मंच से मेरी मां को गालियां दी गईज ये गालियां सिर्फ मेरी मां का अपमान नहीं है। ये देश की मां-बहन-बेटी का अपमान है। मुझे पता है कि आप सबको भी ये देखकर और सुनकर कितना बुरा लगा है। मैं जानता हूं कि इसकी जितनी पीड़ा मेरे दिल में है, उतनी ही तकलीफ मेरे बिहार के लोगों को भी है।

पीएम मोदी को गिफ्ट में दी गई पहली मेड इन इंडिया सेमीकंडक्टर चिप

मंगलवार को केंद्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश में बनी पहली चिप प्रस्तुत की। वैष्णव ने पीएम मोदी को विक्रम 32-बिट प्रोसेसर और चार स्वीकृत परियोजनाओं के टेस्ट चिप्स सौंपे। प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली में सेमिकॉन इंडिया 2025 का उद्घाटन किया, जिसमें मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री जितिन प्रसाद भी मौजूद रहे। वैष्णव ने कहा- कुछ वर्ष पहले हमने अपने प्रधानमंत्री के दूरदर्शी दृष्टिकोण से एक नई शुरुआत की थी। हमने 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन' शुरू किया थाजसिर्फ 3.5 साल में पूरी दुनिया भारत को विश्वास की नजर से देख रही है। आज पांच सेमीकंडक्टर इकाइयों का निर्माण तेज गति से चल रहा है। आज हमने पहली 'मेड-इन-इंडिया' चिप पीएम मोदी को सौंपी है। उन्होंने आगे कहा- हम अभूतपूर्व समय में जी रहे हैं।

15 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

धसान नदी में फंसे 20 लोग देर रात किया रेस्क्यू

टीकमगढ़। मंगलवार को मौसम विभाग ने उज्जैन समेत 15 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। टीकमगढ़ में धसान नदी के बरा घाट पर सोमवार रात अवैध रेत खनन करने गए 20 लोग नदी में फंस गए। शाम 5 बजे से रात 12 बजे तक लोग नदी में फंसे रहे। करीब सात घंटे बाद एसडीआरएफ और पुलिस की टीम ने नाव की मदद से सुरक्षित बाहर निकाला। घटना की जानकारी मिलते ही कलेक्टर विवेक श्रोतिय ने बचाव दल को मौके पर भेजा। सभी लोग आसपास के ग्रामीण इलाकों के निवासी हैं। नदी में जलस्तर बढ़ने की वजह से पिछले 24 घंटों में हुई बारिश है। जिले में औसतन 1 इंच बारिश दर्ज की गई। स्ट्रॉन्ग सिस्टम के एक्टिव होने से मप्र में तेज बारिश का दौर चल रहा है।

संक्षिप्त समाचार

हमारा विद्यालय-हमारा स्वाभिमान के साथ शिक्षक, विद्यार्थियों ने संकल्प लिया

सिवनी मालवा। लोक शिक्षण संचनालय मध्यप्रदेश शिक्षा विभाग के निर्देश पर हमारा विद्यालय हमारा स्वाभिमान के विचार की थीम के साथ विकासखण्ड सिवनी मालवा के शासकीय, अशासकीय विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता, उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम, अनुशासन, पर्यावरण सौंदर्य, छात्रों के चरित्र निर्माण, सेवा, समर्पण, संस्कार तथा भेदभाव रहित वातावरण निर्माण की दृष्टि से 01 सितम्बर 2025 को हमारा विद्यालय हमारा स्वाभिमान के विचार, भाव को लेकर विद्यालय के शिक्षक तथा अध्ययनरत विद्यार्थियों ने एक साझा संकल्प का वाचन कर संकल्प लिया। जिसमें विद्यालय परिसर की स्वच्छता, अनुशासन तथा प्रेरणास्पद वातावरण बनातें हुए विद्यालय की सम्पदा-संसाधन को राष्ट्रधन मानते हुए इनका संरक्षण कर भेदभाव रहित शिक्षण, आत्म विकास एवं चरित्र निर्माण, सेवा समर्पण के प्रति ध्यान आकृष्ट करने हेतु शिक्षक-शिक्षिकाएं विद्यालय में संकल्प पत्र का वाचन भी किया गया।

इंदौर में भाजपा महिला मोर्चा का गांधी भवन पर प्रदर्शन

इंदौर। इंदौर में सोमवार को भाजपा महिला मोर्चा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस कार्यालय गांधी भवन पर प्रदर्शन किया। महिला मोर्चा की कार्यकर्ता पीएम नरेंद्र मोदी की मां पर की गई टिप्पणी का विरोध कर रही थी। महिला मोर्चा का आरोप है कि पीसीसी चीफ भी महिलाओं को लेकर अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हैं, उन्हें इस्तीफा देना चाहिए। इस दौरान महिला मोर्चा कार्यकर्ता कांग्रेस कार्यालय पर इकट्ठा हुईं और नारेबाजी की। कांग्रेस ने इसे फ्लॉप शो बताया। भाजपा महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष शैलजा मिश्रा ने बताया कि इस विरोध प्रदर्शन में इंदौर के सभी विधानसभा क्षेत्रों से कार्यकर्ता शामिल हुईं। उनके हाथ में पोस्टर थे। इस दौरान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के महिलाओं पर बयान का भी विरोध किया गया और इस्तीफे की मांग की। पटवारी और राहुल की तस्वीरें जूतों से रौंदी गई।

ग्वालियर के माधौगंज में 10वीं का छात्र लापता

ग्वालियर। ग्वालियर के माधौगंज में तोमर कॉलोनी इलाके से एक दसवीं का छात्र लापता हो गया है। छात्र रविवार दोपहर 2.45 बजे घर से खेलने जाने की कहकर निकला था, लेकिन शाम तक नहीं लौटा तो परिजन को चिंता हुई। परिजन ने अपने स्तर पर उसकी तलाश शुरू की। छात्र के सभी दोस्त और रिश्तेदारों के घर पूछताछ की गई, लेकिन कहीं भी छात्र का कुछ पता नहीं चला है। आखिर में परिजन ने माधौगंज थाना पहुंचकर मामले की सूचना दी है। पुलिस ने सूचना के आधार पर छात्र की तलाश शुरू कर दी है। फिलहाल छात्र का कुछ पता नहीं चला है। माधौगंज गुढ़ा स्थित तोमर कॉलोनी में किराए से रहने वाले नंदकिशोर वर्मा (किरार) के बड़े भाई राजेश वर्मा का बेटा हिमांशु वर्मा (16 साल) ग्वालियर में ही रहकर पढ़ाई कर रहा है।

बैंक से 15 किलो सोने की डकैती, 3 किलो बरामद

जबलपुर। जबलपुर से 50 किलोमीटर दूर खितौला स्थित इसाफ स्मॉल फाइनेंस बैंक में डकैती मामले में जबलपुर पुलिस को कुछ हद तक कामयाबी मिल गई है। पुलिस ने गया (बिहार) से डकैती के मास्टरमाइंड राजेश दास (38) और सोना छिपाने में उसकी मदद करने वाले इंद्रजीत दास (26) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 3 किलो सोना भी जब्त किया है। दोनों को सोमवार को ही गया से लेकर लौटी पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है। बता दें कि डकैत बैंक से 14 किलो 800 ग्राम सोना और 5.70 लाख रुपए कैश ले गए थे। मामले में अब तक मास्टरमाइंड समेत 6 आरोपी पकड़े जा चुके हैं। मामले में जबलपुर पुलिस आरोपी रईस लोधी को पहले ही पकड़ चुकी है। इसी की निशानदेही पर राजेश दास की तलाश की जा रही थी।

2 मिनट में तोड़ा बाइक का लॉक, चुरा ले गए बदमाश

उज्जैन। उज्जैन में मक्सी रोड पर महावीर एवेन्यू कॉलोनी में रविवार रात चोरों ने मात्र दो मिनट में एक लाख रुपए कीमत की बाइक चुरा ली। पूरी घटना कॉलोनी में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। शहर में लगातार बढ़ रही बाइक चोरी की घटनाएं पुलिस के लिए चुनौती बनती जा रही हैं।

प्रधानमंत्री मोदी और उनकी मां पर की गई अशोभनीय टिप्पणी के विरोध में

सड़क पर उतरे थे भाजपाई, राहुल गांधी का पुतला जलाने के दौरान भिड़े कांग्रेसी

सीहोर ■ निसं

बिहार में राहुल गांधी की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और उनकी मां पर की गई अशोभनीय टिप्पणी के विरोध में सोमवार को भाजपा ने प्रदर्शन किया। बस स्टैंड स्थित कांग्रेस कार्यालय के सामने राहुल गांधी का पुतला फूंकने के दौरान भाजपाई और कांग्रेसियों में झड़प हो गई। दोनों के बीच जमकर धक्का-मुक्की हुई। इसमें भाजपा कार्यकर्ता घायल हो गया। झड़प के दौरान का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें सीहोर के भाजपा सुदेश राय मां की गालियां देते नजर आ रहे हैं। कांग्रेस ने यह वीडियो जारी कर बीजेपी पर निशाना साधा है। भाजपा विधायक सुदेश राय का गाली देते हुए वीडियो कांग्रेस जिला अध्यक्ष राजीव गुजराती और इच्छावर क्षेत्र के पूर्व विधायक शैलेंद्र पटेल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है।

पटेल ने लिखा- भाजपा के दोहरे चरित्र का नज़ारा साफ़ दिख रहा है। एक तरफ राहुल गांधी जी के खिलाफ झूठे आरोप लगाकर पुतला दहन, और दूसरी तरफ़ उनके ही विधायक सुरेश राय खुलेआम मां-बहन की गालियां बरसाते हुए। सवाल ये है कि जो पार्टी खुद को संस्कार और संस्कृति का ठेकेदार बताती है, वो अपने विधायक की इस शर्मनाक हरकत पर कब कार्रवाई करेगी? क्या भाजपा अब अपने विधायक का पुतला दहन करेगी या इस गालीबाज को संरक्षण देगी? जनता सब देख रही है - भाजपा के दोहरापन, खोखले नैतिकता पाठ और गालीबाज नेताओं की असलियत उजागर हो चुकी है। भाजपा की कथनी-करनी का फर्क अब और छुपने वाला नहीं है।

क्यों भिड़े बीजेपी-कांग्रेस कार्यकर्ता: दरअसल भाजपा कार्यकर्ता प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के शराब वाले बयान के खिलाफ बस स्टैंड स्थित कांग्रेस कार्यालय के सामने प्रदर्शन कर रहे थे। बीजेपी कार्यकर्ताओं का आरोप है कि बिहार के दरभंगा में राहुल गांधी की सभा के दौरान पीएम मोदी की मां का अपमान हुआ। कांग्रेस कार्यकर्ता ने पीएम की मां को लेकर अपमानजनक शब्द कहे।

इसी का विरोध करने के लिए बीजेपी कार्यकर्ता राहुल गांधी का पुतला फूंकने की कोशिश कर रहे थे। कांग्रेस कार्यकर्ता ने पुतला दहन करने से रोका। इसके बाद दोनों पक्षों में झड़प हो गई। कांग्रेस कार्यकर्ता भी अपने कार्यालय से बाहर आ गए और उन्होंने भी भाजपा के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। दोनों पक्षों के बीच तनाव बढ़ा और देखते ही देखते धक्का-मुक्की शुरू हो गई।

दोनों दलों ने दर्ज कराई शिकायत

घटना के बाद भाजपा नेताओं ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई है। भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश मेवाड़ा ने आरोप लगाया कि, यह भाजपा महिला मोर्चा का शांतिपूर्ण प्रदर्शन था। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जानबूझकर उनके कार्यक्रम में व्यवधान डाला, महिलाओं के प्रति अभद्र भाषा का प्रयोग किया और भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट भी की। इधर कुछ देर बाद जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गुजराती भी कोतवाली थाने पहुंचे और बीजेपी कार्यकर्ताओं के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

उज्जैन के गणेश पांडाल में लगे आतंकियों के पोस्टर

लिखा- हम पैरों में रौंदने से पहले कौम नहीं पूछेंगे, लोग जूते-चप्पल रखकर गुजर रहे

उज्जैन ■ निसं

उज्जैन में गणेश उत्सव के बीच गणेश पांडाल में आयोजक अलग-अलग थीम पर सजावट कर रहे है। लेकिन गुदरी चौराहे पर विराजित गुदरी गण राज के पंडाल में आतंकी हाफिज सईद और पहलगाम घटना में शामिल आतंकियों के पोस्टर लगाए गए है। वो भी पंडाल के प्रवेश द्वार के ठीक नीचे ताकि लोग भगवान गणेश के दर्शन के लिए जब पंडाल में आए तो उन पर अपने जूते-चप्पल रखकर प्रवेश करें। यह पंडाल चौबीस खंभा मंदिर के पास स्थित है।

पंडाल में लगे एक बड़े पोस्टर पर लिखा है, तुमने धर्म पूछकर मारा था, हम पैरों में रौंदने से पहले कौम नहीं पूछेंगे। यह पोस्टर सर्व हिंदू समाज शिप्रा नवयुवक मंडल द्वारा लगाया गया है। साथ ही पहलगाम हमले में शहीद हुए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करने वाला एक और पोस्टर भी पंडाल में लगाया गया है।

आयोजक बोले- आतंकी हमलों को न भूले लोग: इस आयोजन के बारे में संगठन से जुड़े रितेश माहेश्वरी ने बताया, हम चाहते थे कि त्योहारों के समय लोग पहलगाम जैसे आतंकी हमलों को ना भूलें और जिन्होंने यह कृत्य किया, उन्हें उनकी औकात दिखाई जाए। इसलिए ऐसे लोगों की तस्वीरें पंडाल में इस तरह लगाई गई हैं कि भक्त उनके चेहरों पर पैर रखकर ही प्रवेश करें। हालांकि इस तरह के पोस्टर धार्मिक और सामाजिक दृष्टिकोण से कुछ लोगों के बीच विवाद खड़ा कर सकते हैं। अभी तक प्रशासन की ओर से इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन चूंकि मामला धार्मिक आयोजन से जुड़ा है, इसलिए इसे लेकर चर्चा हो रही है।

तेजा दशमी पर मन्नत की छतरियां लेकर पहुंचे श्रद्धालु

उज्जैन के मंदिरों में लगी भक्तों की भीड़, चल समारोह भी निकाला गया

उज्जैन ■ निसं

भाद्र पद शुक्ल पक्ष की दशमी को तेजा दशमी के रूप में मनाया जा रहा है। शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के तेजाजी मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है।

श्रद्धालु ढोल-ढमाकों के साथ मंदिरों में पहुंच रहे हैं। मन्नत पूरी होने पर भक्त रंग-बिरंगी छतरियां निशान के रूप में चढ़ा रहे हैं। दमदमा क्षेत्र स्थित नागचंद्रेश्वर मंदिर, नीलगंगा रोड पर कवेलू कारखाने के सामने स्थित श्री चैतन्य वीर तेजाजी मंदिर और बुधवारिया स्थित चेरिटेबल अस्पताल के पास स्थित तेजाजी मंदिर में विशेष भीड़ देखी गई।

इस दिन घरों में सब्जी नहीं काटी जाती: ग्रामीण क्षेत्र के मोहनपुरा, पंवासा और भेरूगढ़ में स्थित तेजाजी मंदिरों में भी दिनभर भक्तों का आना-जाना जारी रहेगा। नागचंद्रेश्वर मंदिर के पुजारी पंडित सीताराम शर्मा के अनुसार, लोग बीमारी से मुक्ति और संतान प्राप्ति की मन्नत मांगते हैं। इस दिन घरों में सब्जी नहीं काटी जाती और दाल, बाटी, चूरमा का भोग लगाया जाता है।

एमिटी यूनिवर्सिटी में छात्र को बाथरूम में बंधक बनाकर पीटा

आरोपी स्टूडेंट बोले- हीरो पंती करता है, ग्वालियर में 4 पर केस दर्ज

ग्वालियर ■ निसं

ग्वालियर में एमिटी यूनिवर्सिटी के बाथरूम फर्स्ट ईयर के छात्र को बंधक बनाकर पीटने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, वह यूनिवर्सिटी के डी-ब्लॉक की सीढ़ियों पर बैठा था। तभी वहां चार छात्र पहुंचे और बात करने के बहाने उसे ग्राउंड फ्लोर के बाथरूम में ले गए। यहां चारों ने यह कहते हुए मारपीट शुरू कर दी कि अभी यूनिवर्सिटी में नया आया है और हीरो बनकर दादागिरी करता है। इसके बाद छात्र को बेरहमी से पीटा गया और धमकाते हुए आरोपी वहां से चले गए।

घटना 01 सितंबर 2025 की दोपहर करीब 1 बजे की बताई जा रही है। पीड़ित छात्र ने पहले यूनिवर्सिटी प्रबंधन से शिकायत की और बाद में महाराजपुरा थाने में मामला दर्ज कराया। पुलिस ने दो नामजद समेत चार छात्रों के खिलाफ मारपीट व धमकाने का केस दर्ज किया है।

बीबीए फर्स्ट ईयर का स्टूडेंट है पीड़ित: छात्र का नाम अनीश सिंह भदौरिया है। वह महाराजपुरा के हरदौल नगर का रहने वाला है। उसने इसी साल एमिटी यूनिवर्सिटी में बीबीए फर्स्ट ईयर में एडमिशन लिया है। सोमवार को वह डी-ब्लॉक की सीढ़ियों पर बैठा था। उसी दौरान यूनिवर्सिटी के छात्र पवन गुर्जर, अजीत और दो अन्य उसके पास आए। पवन ने अनीश से कहा कि उससे जरूरी बात करनी है। जब अनीश ने पूछा तो पवन ने कहा कि यह पर्सनल मैटर है, नीचे चलकर बात करते हैं।

इसके बाद सभी उसे ग्राउंड फ्लोर के बाथरूम में ले गए। यहां चारों ने अनीश से कहा कि यूनिवर्सिटी में नया आया है और बहुत हीरोपंती व दादागिरी दिखाता है। इस पर अनीश ने जवाब दिया कि वह यहां केवल पढ़ाई करने आया है। अनीश का जवाब सुनकर चारों भड़क गए और गालियां देने लगे। जब उसने गालियां देने से मना किया तो आरोपियों ने उसकी लात-घूंसों से पिटाई कर दी। उसके चेहरे, आंख, सिर और पेट पर मुक्के मारे गए। इसके बाद आरोपी धमकी देकर वहां से भाग निकले।

मारपीट करने वाले छात्रों को पता था कि डी-ब्लॉक के ग्राउंड फ्लोर पर बाथरूम क्षेत्र में कोई ष्टष्टञ्जङ्क कैमरा नहीं है। इसी वजह से उन्होंने अनीश को वहां बुलाकर हमला किया। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि छात्रों के बीच विवाद की असली वजह क्या थी।

किसानों का दल भ्रमण सह प्रशिक्षण के लिए रवाना

खण्डवा। उद्यानिकी व खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा संचालित योजना के तहत इस वर्ष में राज्य के बाहर 5 दिवसीय कृषक भ्रमण सह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रस्तावित किया गया है। इसके तहत खंडवा जिले के 30 किसानों के दल को विधायक प्रतिनिधि श्री मुकेश तन्वे और जिला पंचायत सदस्य श्री बुद्धा रूपा ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। उप संचालक उद्यानिकी ने बताया कि यह दल 1 से 5 सितंबर तक महाराष्ट्र राज्य में जलगांव जैन हिल्स का दौरा करेगा। भ्रमण के दौरान ये किसान प्याज, लहसुन, टमाटर प्रसंस्करण इकाई, ड्रिप तथा स्प्रिंकलर संयंत्रों प्लास्टिक पार्क का अवलोकन करेंगे। दल के किसान सह्याद्री फार्म नासिक का भी भ्रमण करेंगे एवं एशिया की सबसे बड़ी प्याज, लहसुन मण्डी, लासलगांव का दौरा कर वहां के उन्नतशील कृषकों से भेंट करेंगे। प्रशिक्षण दल में शामिल किसान प्याज की एक्सपोर्ट होने वाली उन्नत किस्मों का अवलोकन कर उद्यानिकी फसलों के उत्पादन की नवीन तकनीक भी सीखेंगे।

रीवा-चिरमिरी-रीवा ट्रेन को तीन स्टेशनों पर मिला ठहराव

जबलपुर ■ निसं

रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री सुविधाओं का विस्तार करते हुए पश्चिम मध्य रेल से प्रारम्भ/टर्मिनेट होने वाली गाड़ी संख्या 11751/11752 रीवा-चिरमिरी-रीवा एक्सप्रेस ट्रेन का धुरवासिन, बैहाटोला एवं पाराडोल स्टेशन पर ठहराव दिया जा रहा है। इन उपरोक्त स्टेशनों पर ठहराव दिनाँक 01 सितम्बर 2025 से लागू है, जिसकी विस्तृत जानकारी निम्न है।

धुरवासिन, बैहाटोला एवं पाराडोल रेलवे स्टेशन पर ठहराव की जानकारी :- गाड़ी संख्या 11751 रीवा-चिरमिरी एक्सप्रेस ट्रेन रीवा रेलवे स्टेशन से रात 19:10 बजे प्रस्थान कर मार्ग के रास्ते से होते हुए धुरवासिन रेलवे स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान समय (01:57/01:59), बैहाटोला रेलवे स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान समय (02:29/02:31) एवं पाराडोल रेलवे स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान (03:54/03:56) बजे ठहराव रहेगा।

गाड़ी संख्या 11752 चिरमिरी-रीवा एक्सप्रेस ट्रेन चिरमिरी रेलवे स्टेशन रात 19:00 बजे प्रस्थान कर मार्ग के रास्ते से पाराडोल रेलवे स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान समय (19:17/19:19), बैहाटोला रेलवे स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान समय (20:36/20:38) एवं धुरवासिन रेलवे स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान समय (21:04/21:06) बजे ठहराव रहेगा।

ठहराव की सुविधा मिलने से मनेन्द्रगढ़, बिजुरी एवं कोतमा रेलवे स्टेशन के समय में आंशिक परिवर्तन रहेगा जिसकी जानकारी निम्न है।

ट्रेन 11751 रीवा-चिरमिरी एक्सप्रेस :- कोतमा रेलवे स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान समय 02:15/02:20 बजे, बिजुरी रेलवे स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान समय 02:45/02:55 बजे एवं मनेन्द्रगढ़ रेलवे स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान समय 03:25/03:35 बजे रहेगा।

राष्ट्रीय कर्मयोगी वृहद जन सेवा कार्यक्रम पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ

जबलपुर ■ निसं

प्रत्येक सरकारी कर्मचारी जनता का एक सेवक है, निस्वार्थ सेवा प्रदान करना प्रत्येक सरकारी सेवक का प्रथम दृष्टिकोण होना चाहिए, कार्य के प्रति समर्पण की भावना को प्रेरित करने वाली अंतर्दृष्टि को जागरूक करना होगा, हमें अपने पेंशेवर उत्तरदायित्वों को व्यापक राष्ट्रीय उद्देश्यों के साथ जोडनें के लिए अपने आपको प्रोत्साहित करनें की आवश्यकता है, उक्त विचार राकेश सहरावत, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त। द्वारा तीन दिवसीय राष्ट्रीय कर्मयोगी वृहद जन सेवा कार्यक्रम के उद्घाटन के अवसर पर व्यक्त किये गये।

कार्यकम के आरंभ में राकेश सहरावत, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त। द्वारा पुष्पगुच्छ भेट कर मास्टर ट्रेनर्स ललितेश सिंह नायक, क्षेत्रीय आयुक्त।। एवं अक्षय कुमार मिश्रा, सहायक आयुक्त का स्वागत किया गया। तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान कार्यालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय कर्मयोगी वृहद जन सेवा कार्यक्रम के उद्देश्यों एवं महत्व के बारे में मास्टर ट्रेनर्स द्वारा जानकारी साक्षा की जायेगी।

राकेश सहरावत, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को चार प्रमुख मॉडयूल्स में बांटा गया है, प्रथम मॉडयूल एक राष्ट्र के लिए कर्मयोगी अधिकारी की भूमिका को परिभाषित करता है, दूसरा माडयूल सफलता की प्रारंभिक सोच से आगे बढ़कर संतुलित और राष्ट्रहितकारी दृष्टिकोण को अपनाने के लिए प्रेरित करता है, तिसरा मॉडयूल एक आदर्श प्रशासनिक अधिकरी के गुणों के विकास पर प्रकाश डालता है तो वहीं चौथा मॉडयूल अधिकारी कैसे राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभा सकते हैं पर आधारित है।

उन्होंने आगे बताया की इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के पीछे सरकार का लक्ष्य पारदर्शी, प्रभावी और नागरिक केंद्रित प्रशासन का निर्माण कराना है एवं सरकारी सेवको की प्रतिभा, संवेदनशिलता तथा सेवा प्रदान करने की क्षमता का पूर्ण उपयोग किया जाना है। उन्होने यह भी बताया कि मिशन कर्मयोगी के तहत सरकारी महकमे में पेशेवर, उत्कृष्टता, नैतिकता और जिम्मेदारी को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

लोन का भुगतान नहीं करने पर आरोपी को न्यायालय ने 6 माह की सजा सुनाई

खरगोन ■ निसं

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक खरगोन की बमनाला शाखा से लिए गए लोन का भुगतान नहीं करने पर स्थानीय न्यायालय ने सख्त रुख अपनाते हुए आरोपी को दंडित किया है। बमनाला निवासी राजेश पिता पदम राठौड़ ने सहकारी बैंक शाखा बमनाला से 3 लाख का लोन लिया था। समय पर राशि जमा न करने और बार-बार मांग करने के बावजूद भुगतान नहीं करने पर बैंक ने कानूनी कार्रवाई की। इस दौरान आरोपी द्वारा बैंक को दिया गया 3,69,783/- का चेक बाउंस हो गया।

बैंक की ओर से अधिवक्ता पवन लववंशी द्वारा न्यायालय में धारा 138, एन.आई. एक्ट के अंतर्गत परिवाद दायर किया गया। प्रकरण पर सुनवाई करते हुए न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी राजेंद्र बर्मन ने आरोपी को 6 माह की सश्रम कारावास और 3,69,783/- के जुर्माने से दंडित किया है। साथ ही न्यायालय ने आदेश दिया कि आरोपी इस राशि पर 9 प्रतिशत ब्याज भी देगा। निर्धारित समय में राशि जमा न करने की स्थिति में उसे अतिरिक्त 2 माह की सजा भी भुगतनी होगी। सहकारी बैंक प्रभारी प्रबंध संचालक सुश्री संध्या रोकड़े ने जानकारी देते हुए बताया गया की ऐसे सभी ऋणी जिनके द्वारा जानबूझकर ऋण नहीं पटाया जा रहा है तथा उनके द्वारा ऋण के पेटे दिए गए चेक बाउंस हो गए उनके विरुद्ध में सख्ती से क़ानूनी कार्यवाही की जा रही है।

कांग्रेसियों ने नरेंद्र रघुवंशी के विरुद्ध प्रकरण को लेकर एसडीओपी महेंद्र सिंह को सौंपा ज्ञापन

नरेंद्र रघुवंशी पर एसडीएम से कराए गए प्रकरण को तत्काल निरस्त करने की मांग की

सिवनी मालवा ■ निसं

नगर के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सोमवार के दिन एसडीओपी कार्यालय पहुंचकर एसडीओपी महेंद्र सिंह को पुलिस अधीक्षक के नाम ज्ञापन सौंपते हुए निष्पक्ष नरेंद्र रघुवंशी पर एसडीएम के माध्यम से कराए गए प्रकरण को तत्काल निरस्त करने की मांग की। ज्ञापन नगर कांग्रेस अध्यक्ष स्वदेश शर्मा के नेतृत्व में नगर कांग्रेस अध्यक्ष स्वदेश शर्मा ने बताया कि युटुबर नरेंद्र रघुवंशी लगातार क्षेत्र में यूरिया की कालाबाजारी, मूंग खरीदी में भ्रष्टाचार, अवैध कॉलोनियों की अनुमति व स्टाम्प चोरी जैसे मामलों को उजागर कर रहे थे। इसी वजह से द्वेषपूर्वक उनके विरुद्ध कार्रवाई कराई गई है, जो कि पूरी तरह अनैतिक है।

उन्होंने बताया कि नगर के शासकीय कर्मचारी अधिकारी बे लगाम हो गए हैं उनके द्वारा आम जनता के कार्यों को नहीं किया जाता है और चक्कर लगाने के बाद किसी व्यक्ति के द्वारा कर्मचारियों से काम करने के विषय में बोला जाए तो वह अपने ऑफिस के कर्मचारियों को लेकर थाने में पहुंचकर शासकीय कार्य में बाधा आदि धारा लगवा कर आमजन को परेशान किया जाता है और क्षेत्र के अधिकांश शासकीय कार्यालय में भ्रष्टाचार व्याप्त है नगर के सभी शासकीय कार्यालय से भ्रष्टाचार को मिटाने के लिए कांग्रेस पार्टी कार्यवाही करेगी और भ्रष्टाचारियों को नहीं हटाया तो आंदोलन भी किया जाएगा।

वहीं युवक कांग्रेस नगर अध्यक्ष हैरिसन स्वामी और जिला समन्वयक आकाश दार ने कहा कि तहसील स्तर पर नरेंद्र रघुवंशी के द्वारा सूचना के अधिकार के तहत लगातार जानकारी मांगी जा रही थी। इसी कारण झूठी कार्यवाही कराई गई। पार्षद दीपक दीक्षित व अयूब अली ने बताया कि सीएम हेल्पलाइन से जुड़े बड़े भ्रष्टाचार को भी समाचार के माध्यम से उजागर किया गया है, जिसके चलते यह कार्रवाई कराई गई है।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से नगर कांग्रेस अध्यक्ष स्वदेश शर्मा, युवक कांग्रेस नगर अध्यक्ष हैरिसन स्वामी, पार्षद दीपक दीक्षित, जिला सोशल मीडिया समन्वयक आकाश दर, पार्षद अय्यूब अली, देवेंद्र रघुवंशी, भोला रघुवंशी, सतीश यदुवंशी, बृजेश सूर्यवंशी, आशु मिश्रा, ऋषभ भारद्वाज सहित अन्य कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भोपाल। न्यू मार्केट व्यापारी दुर्गा उत्सव समिति द्वारा न्यू मार्केट रोशनपुरा पर माता रानी की भव्य झांकी स्थापित की जा रही है। कारीगरों द्वारा झांकी का निर्माण कार्य जारी है। यहां थीम बेस्ड झांकी खास आकर्षण का केंद्र होगी।

भोपाल। व्यापारी दुर्गा उत्सव समिति विठ्ठल मार्केट द्वारा नवरात्रि पर्व आने के पूर्व झांकी का निर्माण कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर झांकी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील पांडे ने बताया की इस बार हम जगन्नाथ पुरी के मंदिर की झांकी का निर्माण कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

गणेश पंडालों से निकल रहे फूल-माला से 100 लोगों को मिला रोजगार

भोपाल। भोपाल नगर निगम ने एक अच्छी पहल शुरू की है। शहर में करीब 4 हजार से अधिक जगहों पर विराजमान गणेश प्रतिमाओं के पंड़ालों से प्रतिदिन निकलने वाले फूल-माला इत्यादि सामग्री के प्रबंधन का एक पर्यावरण अनुकूल तरीका खोजा है। जिसमें करीब 100 लोगों को रोजगार भी उपलब्ध हो रहा है। भोपाल नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त देवेंद्र चौहान ने कहा है कि यह पहल न केवल शहर को स्वच्छ रख रही है, बल्कि पवित्र प्रसाद का सम्मानजनक और उत्पादक उपयोग भी कर रही है। दरअसल शहर के दानपानी कचरा स्थानांतरण स्टेशन पर एक विशेष प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित किया गया है, जहां फूल, नारियल, नारियल के रेशे, अगरबत्ती के अवशेष और अन्य पूजा सामग्री को अगरबत्ती, धूपबत्ती, गुलाल, कोको पीट और रस्सियों में बदला जा रहा है। यह पहल न केवल प्रदूषण को रोकती है, बल्कि लगभग 100 लोगों के लिए रोजग़ार भी पैदा करती है।

पार्किंग-ट्रैफिक की परेशानी से जूझ रहा पुराना भोपाल

भोपाल। पार्किंग व ट्रैफिक की परेशानी से पुराना भोपाल जहां वर्षों से जूझ रहा है। वहीं दूसरी ओर इसके निदान के लिये हुई बैठकें भी समस्या का समाधान नहीं निकाल पाई है। जबकि बीते 5 वर्षों के दौरान इसके निराकरण लिये जिला व निगम प्रशासन के साथ क्षेत्र के व्यापारियों की लगातार बैठकें करते हैं। जिससे समस्या जस की तस बनी हुई है। इस कड़ी में बीते दिनों सांसद आलोक शर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक ने मामले को फिर गर्मा दिया है। क्योंकि कलेक्टर कार्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों और सराफा, किराना, दवा और कपड़ा बाजार के व्यापारी संघों के प्रतिनिधियों के साथ हुई समीक्षा बैठक भी परिणाम के अभाव में बेतनतीजा साबित हो रही है। जबकि इस बैठक में भी व्यावसायिक गतिविधियों को प्रभावित करने वाले विषय में पूर्व की तरह अव्यवस्थित पार्किंग और बिगड़ता ट्रैफिक जाम ही चर्चा में मुख्य मुद्दा रहा हैं। चौक बाजा के पास पार्किंग की जगह पर अवैध गैरेजों द्वारा अतिक्रमण किए हुए हैं, जिससे खरीदारों के लिए बहुत कम जगह बचती है। इस बैठक में सांसद ने निगम अधिकारियों को तुरंत अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इसके साथ ही नये शहर में बाजार विस्थापन के लिये स्मार्ट सिटी भूमि आवंटित करने का मुद्दा भी कार्ययोजना में नहीं आ पाया है।

बच्चे हो रहे बीमार, जेपी अस्पताल में बच्चा वार्ड फुल

भोपाल। अचानक तेज बारिश, धूप और बादल मौसम के ये तीन रूप देखने को मिल रहे हैं। जैसे-जैसे मौसम में बदलाव हो रहा है वैसे-वैसे ही तीन वायरस सक्रिय हो रहे हैं। ये वायरस ज्यादातर बच्चों को प्रभावित कर रहे हैं। बच्चों में तेज बुखार, शरीर दर्द, उल्टी-दस्त जैसे लक्षण देखे जा रहे हैं। रविवार को जेपी अस्पताल और हमीदिया अस्पताल की शिशु रोग विभाग की इमरजेंसी में 119 बच्चे पहुंचे, जो औसतन रविवार को आने वाले बाल रोगियों की संख्या से तीन गुना अधिक हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, इन वायरस से प्रभावित बच्चों को पूरी तरह रिकवर होने में 7-10 दिन का समय लग रहा है। बीते एक सप्ताह में एम्स, हमीदिया और जेपी अस्पताल में 15 साल से कम आयु के 6 हजार से अधिक बच्चे ओपीडी में पहुंचे हैं। जेपी अस्पताल के शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. पियूष पंचरत्न ने कहा कि कई परिजन मेडिकल स्टोर से मनमर्जी की दवा देकर बच्चों का इलाज करने की कोशिश करते हैं, जिससे स्थिति और बिगड़ सकती है।

संपत्ति का खुलासा नहीं किया तो गया हाथ से प्रमोशन!

आईएएस अफसरों को देना होगा ऑनलाइन प्रॉपर्टी विवरण

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के लिए यह चेताने वाली खबर है। जरा सी लापरवाही के चलते उनका प्रमोशन लटक सकता है। जी हां, मध्यप्रदेश कैडर के अफसरों ने अगर समय रहते अपनी संपत्ति का ब्योरा नहीं दिया तो उनके लिए मुश्किल खड़ी हो सकती है। चल और अचल संपत्ति का ब्योरा देने में देरी करने या नहीं देने वाले एमपी कैडर के आईएएस अफसरों का प्रमोशन अगले साल से अटक सकता है। केंद्र सरकार के कार्मिक लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) के निर्देश के बाद यह बात सामने आई है। डीओपीटी ने साफ कहा है कि 31 जनवरी तक ब्योरा नहीं देने वालों को प्रमोशन नहीं मिलेगा। इसके बाद राज्य के सामान्य प्रशासन विभाग ने मध्य प्रदेश में यह निर्देश जारी किये हैं।

निर्देशों में कहा गया है कि भारत सरकार की वेबसाइट स्पैरो (एसपीएआरआरओडब्ल्यू) पर वार्षिक अचल संपत्ति पत्रक (इम्मूवल प्रॉपर्टी रिपोर्ट) हर साल 31 जनवरी तक ऑनलाइन सबमिट की जाएगी। इसमें बीते हुए वर्ष में 31 दिसम्बर तक की स्थिति में आईएएस अधिकारी के पास मौजूद अचल संपत्ति की जानकारी दिया जाना है, जिसमें पैतृक और आईएएस अफसर द्वारा खुद या पत्नी के नाम पर खरीदी गई संपत्ति शामिल रहती है। डीओपीटी ने कहा कि अखिल भारतीय सेवा कंडक्ट रूल्स 1968 के नियम 16 (2) के अंतर्गत यह निर्देश जारी किए जा गए हैं और अफसरों की अगली वेतन मैट्रिक्स (पदोन्नति) के लिए यह जरूरी है। स्पैरो मॉड्यूल हर साल 31 जनवरी की आधी रात के बाद ऑटो लॉक होता है। इसमें यह भी कहा गया है कि कई बार अधिकारी ओटीपी नहीं आने या फिर अन्य तकनीकी कारणों का हवाला देकर रिपोर्ट सबमिट नहीं कर पाने का हवाला देते हैं। यह उचित नहीं है। इसलिए समय से पहले अधिकारियों को इस तरह की रिपोर्ट सबमिट कर देना चाहिए।

केंद्र की तरफ से जारी आदेश में यह उल्लेख है कि यदि कोई अधिकारी तय समयसीमा में अपनी संपत्ति का विवरण नहीं देता, तो उसे पदोन्नति संबंधी विचार से बाहर कर दिया जाएगा। इस संबंध में राज्य सरकार ने सभी विभागों को पत्र भेजकर निर्देशित किया है कि समयसीमा का सख्ती से पालन कराया जाए। जानकारी के अनुसार बीते वर्षों में भी कई अधिकारियों को प्रमोशन से वंचित रहना पड़ा था क्योंकि उन्होंने ऑनलाइन प्रॉपर्टी विवरण समय पर अपलोड नहीं किया था।

एमपी में आईएएस के कुल 459 पद

गौरतलब है कि मध्यप्रदेश में कुल आईएएस अफसरों के 459 पद हैं, वर्तमान में 377 अधिकारी कार्यरत हैं। पिछले दिनों एक विश्लेषण में यह बात सामने आई है कि करीब 12 अफसर संपत्ति का ब्योरा नहीं देते हैं, वहीं 20 से ज्यादा अफसर निर्धारित तारीख के बाद ब्योरा देते हैं। बता दें कि भारत सरकार की वेबसाइट स्पैरो (एसपीएआरआरओडब्ल्यू) पर वार्षिक अचल संपत्ति पत्रक (इम्मूवल प्रॉपर्टी रिपोर्ट) हर साल 31 जनवरी तक ऑनलाइन जमा की जाएगी। बीते हुए वर्ष में 31 दिसम्बर तक की स्थिति में आईएएस अधिकारी के पास मौजूद अचल संपत्ति की जानकारी दिया जाना है, जिसमें पैतृक और आईएएस अफसर द्वारा खुद या पत्नी के नाम पर खरीदी गई संपत्ति शामिल रहती है। बता दें कि कई बार अधिकारी ओटीपी नहीं आने या फिर अन्य तकनीकी कारणों का हवाला देकर रिपोर्ट जमा नहीं कर पाने की बात कहते हैं, जो कि उचित नहीं है।

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय के सामने सतना जिला के एनएसयू आई कार्यकर्ता अपनी मांगों के निराकरण के लिए अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की संयुक्त सचिव अंकिता मिश्रा बुंदेला ने किया एम्स का दौरा

भोपाल ■ अमृत दर्शन

एम्स भोपाल अपनी उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं और चिकित्सा शिक्षा में योगदान के लिए निरंतर सराहना प्राप्त कर रहा है। इसी क्रम में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की संयुक्त सचिव श्रीमती अंकिता मिश्रा बुंदेला का दौरा संस्थान में हुआ।

एम्स भोपाल पहुंचने पर उनका स्वागत कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) माधवानंद कर तथा उपनिदेशक (प्रशासन) संदेश कुमार जैन ने किया। इसके बाद कार्यपालक निदेशक, उपनिदेशक (प्रशासन), निदेशक, सभी डीन एवं वरिष्ठ संकाय सदस्यों के साथ एक संवादात्मक बैठक आयोजित हुई, जिसमें संस्थान की प्रगति, स्वास्थ्य सेवाओं और शैक्षणिक पहलों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।

श्रीमती बुंदेला ने अस्पताल का विस्तृत निरीक्षण किया, जिसमें बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी), भर्ती वार्ड और विभिन्न चिकित्सीय सेवाएँ शामिल थीं। इस दौरान उन्होंने मरीजों और स्वास्थ्यकर्मियों से बातचीत भी की।

अपने कैंपस भ्रमण के हिस्से के रूप में उन्होंने छात्रावास परिसर का दौरा किया और गणेश पूजा में सम्मिलित होकर विद्यार्थियों एवं स्टाफ के साथ समय बिताया, जिससे संस्थान के जीवंत सांस्कृतिक और शैक्षणिक वातावरण की झलक मिली।

मंत्री विश्वास सारंग ने की मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक की समीक्षा

भोपाल ■ अमृत दर्शन

सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने सोमवार को अपेक्स बैंक, भोपाल में मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक की गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने नियुक्तियों, जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों की वित्तीय स्थिति, खरीफ 2025-26 में अल्पावधि फसल ऋण वितरण, शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर अल्पावधि फसल ऋण योजना सहित कई विषयों पर विस्तृत चर्चा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मंत्री सारंग ने कहा कि राज्य सरकार किसानों को मजबूत आर्थिक आधार देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि खरीफ 2025-26 के लिए समय पर अल्पावधि फसल ऋण वितरण सुनिश्चित हो तथा किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण की सुविधा समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने पैक्स समितियों में खाद की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने और पैक्स कंप्यूटरीकरण की प्रक्रिया को गति देने पर विशेष बल दिया। बैठक में किसान क्रेडिट कार्ड संचालन को और सरल एवं सुलभ बनाने के उपायों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। मंत्री सारंग ने कहा कि किसान हितैषी नीतियों का वास्तविक लाभ तभी संभव है जब जिला सहकारी बैंक मजबूत स्थिति में कार्य करें। इसलिए कमजोर जिला बैंकों की वित्तीय स्थिति सुधारने के लिए ठोस कार्ययोजना बनाई जाए और उसे जल्द लागू किया जाए।

शा. कन्या उ.मा. विद्यालय, जहांगीराबाद को मिली अतिरिक्त कक्षों की सौगात

भोपाल। महापौर श्रीमती मालती राय ने शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जहांगीराबाद में छात्राओं को सुव्यवस्थित अध्ययन हेतु सौगात के रूप में निर्मित कराये गये अतिरिक्त कक्षों का लोकार्पण किया। उक्त कक्षों के निर्माण हेतु महापौर श्रीमती राय ने अपनी निधि से राशि उपलब्ध कराई है। महापौर श्रीमती मालती राय ने सोमवार को शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जहांगीराबाद में महापौर निधि से उपलब्ध कराई गई राशि से नवनिर्मित दो अतिरिक्त कक्षों का शिलापट्टिका अनावरण का लोकार्पण किया। इस अवसर पर महापौर श्रीमती मालती राय ने अतिरिक्त कक्षों की बधाई दी और कहा कि हमारा सदैव प्रयास है कि हम शहर के विद्यालयों एवं विद्यार्थियों को बेहतर से बेहतर सुविधायें उपलब्ध कराएं।

हक की लड़ाई आंदोलन 21 सितंबर को होगा भोपाल में

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मप्र कर्मचारी मंच के नेतृत्व में प्रदेश के लाखों-लाख अस्थाई कर्मचारी अपनी नौकरी स्थाई करने की मांग को लेकर हक की लड़ाई आंदोलन के तहत 21 सितंबर को भोपाल के अंबेडकर जयंती मैदान तुलसी नगर में आंदोलन करेंगे तथा खून से मुख्यमंत्री को ज्ञापन लिखेंगे। यह निर्णय कर्मचारी मंच की प्रमुख समिति द्वारा प्रस्ताव पारित करके लिया गया है।

मप्र कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट आदेश जारी करें हैं कि प्रदेश के अस्थाई कर्मचारियों को स्थाई किया जाए। मप्र की जबलपुर इंदौर ग्वालियर उच्च न्यायालय खंडपीठ भी प्रदेश सरकार के लिए सैकड़ों आदेश जारी कर चुकी है कि प्रदेश की अस्थाई कर्मचारियों को स्थाई किया जाए, नियमित किया जाए।

भोपाल कूडो टीम ने रचा इतिहास

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 2025 में पहली बार ओवरऑल चैंपियन

भोपाल ■ अमृत दर्शन

10वीं मध्यप्रदेश राज्य स्तरीय कुडो प्रतियोगिता (27 से 31 अगस्त 2025) में भोपाल कुडो टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता के इतिहास में पहली बार ओवरऑल चैंपियन का खिताब अपने नाम किया है।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर भोपाल कुडो संघ के अध्यक्ष श्री हर्षित विश्वकर्मा, सचिव श्री चंद्रकांत अल्डक एवं कोषाध्यक्ष श्री दीपक बिष्ट ने अत्यंत हर्ष एवं गर्व व्यक्त किया है।

सचिव चंद्रकांत अल्डक ने जानकारी देते हुए बताया कि भोपाल टीम ने प्रतियोगिता में 103 पदक जीतकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है और इस उपलब्धि का श्रेय हमारे प्रेरणास्त्रोत -

हंसी मेहुल वोरा सर संस्थापक कुडो इंडिया, एवं डॉ. मोहम्मद एजाज खान सर (अध्यक्ष, मध्यप्रदेश कुडो संघ) को जाता है।

पदक विजेताओं की सूची

स्वर्ण पदक विजेता - 63 खिलाड़ी

प्रज्ञान सिंह बघेल, अश्विक कार्तिकेय, विवान सागर, अक्षत कालबले, वैदिक दीक्षित, एकांश बारचे, तेजस्व लोवंशी, जिग्यांश शर्मा, शिवाय सिंह राय, विश्वनाभ तिवारी, आदि कुंदर, मानविक सक्सेना, अथर्व पटेलिया, आयांश राय, दैविक कार्तिकेय, लक्ष्यवीर उमेकर, स्वरांश पाठक, अक्षत राम श्रीवास्तव, अयान चट्टोपाध्याय, अध्यन मिश्रा, विवान दुबे, सिद्धार्थ शर्मा, बसंत बिष्ट, अक्षत साहू, स्वाले खान, नमन नरेश, जैकसन जोशी, श्रावी देहरिया, ज्ञानवी सिंह, हिमानी नौटियाल, नोरा सोजातिया, अवर्था राजपूत, आराध्या पांडे, आव्या प्रकाश, काश्वी गुप्ता, समृद्धि राय, प्रणन्या चंदेलिया, हिमांशी राजपूत, विराज सिंह, आराध्या सिंह, आराध्या मिश्रा, शरण्या गुप्ता, अंशिका बिस्ट, गौरवी चोपड़े, शिवी सक्सेना, अनाया पिल्लई, पलक्शा हरोड़े, सिद्धि उप्रिट, आरोही चौरसिया, जायती मिश्रा, पारिधि मीणा, चहक परमार, श्रेया नामदेव, किंजल गुप्ता, आर्या दुबे, तन्वी ठाकुर, श्रेया देशमुख, आराध्या पटेल, अनुष्का खरे, इशिका कौशिक, प्रिया पटेल, स्नेहा नामदेव, नूपुर सोंधिया।

रजत पदक विजेता - 26 खिलाड़ी

विहान सिंह नेगी, स्तव्य गुप्ता, शौर्य शर्मा, अभिमन्यु सिंह, भव्यांश सिंह, कानन अत्री, सूर्यान्श मिश्रा, दर्श मिश्रा, अर्नव द्विवेदी, प्रियांशु पांडे, विष्णु पुन, प्रियांश धाकड़, विनायक शर्मा, आकाश मिश्रा, पाक्षी सिंह, श्रिनिका पटेल, फ्लोरेन्स मेंघानी, अमाया अरोरा, अवनी शर्मा, आद्या शुक्ला, मान्या सिंह, ख्याति खरे, रीत गौतम, मिया श्रीवास्तव, आरुषि श्रीवास्तव, पैपी मीना सिंह।

कांस्य पदक विजेता-14 खिलाड़ी: वरन्या जयंती जोशी, आध्यात्म प्रकाश, अर्नव सिंह, यशवर्धन सिंह परमार, अभ्युदय घागरे, प्रियांशु योगी, निश्चय मोदी, इधिका जैसवाल, इशिता राय, मौली सक्सेना, भावना सिंह, शिवानी अहीरवार, कविशा श्रीवास्तव, मुन्ना कुमार सिंह।

कुल पदक प्रदर्शन-

स्वर्ण पदक - 63
रजत पदक - 26
कांस्य पदक - 14
कुल पदक - 103

होम्योपैथी चिकित्सा महाविद्यालय में थायराइड विकार एवं मोटापे की विशेषज्ञ इकाई शुरू

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल स्थित शासकीय होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय चिकित्सालय परिसर में आयुष मंत्रालय भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में हाइपोथायरायडिज्म एवं ओबेसिटी के लिए विशेषज्ञ इकाई की स्थापना की गई है। इस इकाई की स्थापना का उद्देश्य, थायराइड ग्रंथि की अनियमितताएं और उससे होने वाले मोटापे में होम्योपैथी की कारगर दवाओं के माध्यम से अनुसंधान एवं उपचार किया जाना है।

इस इकाई के लिए भारत सरकार के केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद द्वारा विशेषज्ञ चिकित्सकों के अतिरिक्त सहायक चिकित्सकों एवं लैब विशेषज्ञों की एक टीम, स्थानीय होम्योपैथिक चिकित्सालय में उक्त कार्यों के लिए उपलब्ध है। यह इकाई थायराइड ग्रंथि की अनियमिताओं से उत्पन्न होने वाले रोगों के त्वरित उपचार एवं इन रोगों के कारण आने वाले दीर्घकालिक प्रभाव पर केंद्रित कार्य करेगी।

यह इकाई प्रतिदिन प्रात: 10 से दोपहर एक बजे तक उक्त रोगियों के पंजीयन एवं उपचार की सेवाएं प्रदान करेगी। इसके लिए दूरभाष क्रमांक 0755 299 2972 पर समस्त जानकारी प्रतिदिन प्रात: 10 बजे से शाम 4 बजे तक उपलब्ध रहेगी। इच्छुक लाभार्थियों द्वारा अपना दूरभाष दिए जाने पर विशेषज्ञों द्वारा संपर्क किया जाएगा।

अनमोल वचन

मैं हर कदम पर हारा हूँ, पर जन्मा केवल जीत के लिए हूँ।
एमर्सन

जिसके पास उम्मीद है, वह हार कर भी नहीं हारता।
अज्ञात

न्याय होता हुआ दिखेः तारीख़ पर तारीख़ की संस्कृति बदले

ललित गर्ग

सबसे बड़ी चुनौती न्याय में विलंब की है। समय पर न्याय न मिले तो न्याय का वास्तविक अर्थ ही खो जाता है। शायद यही कारण है कि न्यायिक बिरादरी के आयोजनों में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्य न्यायाधीशों ने एक स्वर से कहा कि अब 'तारीख़ पर तारीख़' की संस्कृति को समाप्त करने का समय आ गया है।

देश के सर्वोच्च न्यायालय ने अपने 75 वर्ष का गरिमामय सफर पूरा किया है। यह केवल एक ऐतिहासिक पड़ाव नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की आत्मा को परखने का अवसर भी है। न्यायपालिका ने इन आठ दशकों में अनेक युगांतरकारी फैसले दिये, जिन्होंने संविधान की मर्यादा और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की। किंतु आज सबसे बड़ी चुनौती न्याय में विलंब की है। समय पर न्याय न मिले तो न्याय का वास्तविक अर्थ ही खो जाता है। शायद यही कारण है कि न्यायिक बिरादरी के आयोजनों में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्य न्यायाधीशों ने एक स्वर से कहा कि अब 'तारीख़ पर तारीख़' की संस्कृति को समाप्त करने का समय आ गया है। जिला न्यायपालिका के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिये अदालतों में स्थगन की संस्कृति को बदलने के प्रयास करने की सख्त जरूरत है। उन्होंने स्वीकारा कि अदालतों में बड़ी संख्या में लंबित मामलों का होना हम सभी के लिये बड़ी चुनौती है।

सुप्रीम कोर्ट के 75 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि ये केवल एक संस्था की यात्रा नहीं है। ये यात्रा है भारत के संविधान और संवैधानिक मूल्यों की। ये यात्रा है एक लोकतंत्र के रूप में भारत के और परिपक्व होने की। भारत के लोगों ने सुप्रीम कोर्ट पर, हमारी न्यायपालिका पर विश्वास किया है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट के ये 75 वर्ष 'मदर ऑफ डेमोक्रेसी' के रूप में भारत के गौरव को और बढ़ाते हैं। आजादी के अमृतकाल में 140 करोड़ देशवासियों का एक ही सपना है विकसित भारत, नया भारत बनने का। नया भारत, यानी सोच और संकल्प से एक आधुनिक भारत। हमारी न्यायपालिका इस विजन का एक मजबूत स्तम्भ है। भारत में लोकतंत्र और उदारवादी मूल्यों को मज़बूत करने में न्यायपालिका ने बेहद महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। संविधान का रखवाला, ग़रीबों के अधिकार एवं सरकार की ज्यादतियों के खिलाफ़ कमज़ोर समूहों का योग्य संरक्षक और करोड़ों नागरिकों के लिए आखरी उम्मीद वाला संस्थान है सुप्रीम कोर्ट। कुछ अपवादों को छोड़कर पिछले 75 वर्षों में ज्यादातर समय भारतीय न्यायपालिका संविधान की रक्षा और क़ानून के शासन को बनाए रखने में सफल रही है। लेकिन भारतीय कानून व्यवस्था के सामने अनेक जटिल स्थितियां भी हैं, न्यायाधीशों की नियुक्ति, बढ़ते केसों की संख्या, जवाबदेही, भ्रष्टाचार एवं विलम्बित न्याय आदि। न्याय को लेकर अदालतों तक आम नागरिकों की पहुंच एवं खर्च के मुद्दों और इसी तरह की दूसरी चीज़ों के मामले में सुधार के बारे में न्यायपालिका की अपनी महत्वपूर्ण चिंताएं हैं। हमारे कानूनों की भावना है-नागरिक पहले, सम्मान पहले और न्याय पहले है। इससे पहले जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में त्वरित न्याय की आवश्यकता पर बल दिया था ताकि महिलाओं में अपनी सुरक्षा को लेकर भरोसा बढ़ सके। निस्संदेह, हाल के वर्षों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में तेजी से वृद्धि हुई है, जिससे हमारे समाजशास्त्री और कानून लागू करवाने वाली विभिन्न एजेंसियां भी हैरान-परेशान हैं। महिलाओं के खिलाफ अपराधों बढ़ोतरी से पूरा समाज हिला हुआ है। कोलकाता मेडिकल कॉलेज की महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या की घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि अपराधियों के मन से कानून का भय लगभग समाप्त हो चुका है। यही कारण है कि अब न केवल कठोर कानून बल्कि त्वरित और निष्पक्ष न्याय की मांग बलवती हो रही है। आज न्यायपालिका के सामने सबसे बड़ी चुनौती है-न्याय में विलंब। जिला अदालतों से लेकर उच्चतम न्यायालय तक करोड़ों मामले लंबित हैं। केवल जिला अदालतों में ही साढ़े चार करोड़ से अधिक मामले अटके पड़े हैं। यह स्थिति लोकतंत्र की आत्मा को आहत करती है, क्योंकि न्याय में विलंब, न्याय के इनकार के समान है। दरअसल, लंबित मामलों के पीछे कई कारण हैं-न्यायाधीशों की अपर्याप्त संख्या, अदालती प्रक्रियाओं की जटिलता, अनावश्यक स्थगन, वकीलों द्वारा मुकदमों को खींचना और पुलिस-प्रशासन की लापरवाही। यही वजह है कि अपराधियों के मन से कानून का भय कम होता जा रहा है और आम नागरिक का भरोसा डगमगाने लगता है। भारतीय न्यायिक व्यवस्था की रीढ़ जिला एवं स्थानीय अदालतें हैं। यदि इन स्तरों पर शीघ्र और सस्ता न्याय नहीं मिलेगा, तो सुप्रीम कोर्ट की उपलब्धियां अधूरी मानी जाएंगी। सर्वोच्च न्यायालय समय-समय पर स्वत: संज्ञान लेकर राहत देता रहा है-जैसे हाल ही में डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय प्रोटोकॉल बनवाने की पहल। किंतु जिला स्तर पर ऐसी सजगता और सक्रियता नहीं दिखाई देती। इसलिए सुधार की असली शुरुआत निचले स्तर से ही करनी होगी। भारतीय न्याय प्रणाली की विसंगतियां और सुधार की राह जटिल है, लेकिन असंभव नहीं है। दृढ़ संकल्प एवं कार्ययोजना के साथ आगे बढ़े तो आजादी के अमृतकाल में हम न्याय प्रणाली को युगांतरकारी मोड़ दे सकते हैं। देश में जनसंख्या के अनुपात में न्यायाधीशों की संख्या बहुत कम है। तत्काल नियुक्तियों और प्रशिक्षण की व्यवस्था होनी चाहिए। ई-कोर्ट, ऑनलाइन सुनवाई, डिजिटल साक्ष्य प्रबंधन जैसे कदम न्याय प्रक्रिया को गति दे सकते हैं। अनावश्यक स्थगन पर अंकुश जरूरी है। क्योंकि स्थगन देने की परंपरा अपराधियों और वकीलों के लिये हथियार बन चुकी है। इस पर कड़ा नियंत्रण जरूरी है। पुलिस व जांच एजेंसियों को दायित्वशील एवं जिम्मेदार बनाना होगा। क्योंकि पुख्ता सबूतों और चार्जशीट समय पर दाखिल करने से ही मामलों में शीघ्र निर्णय संभव है। अदालतों के साथ-साथ वकीलों और पुलिस पर भी जवाबदेही तय करनी होगी। महिलाओं, बच्चों और संवेदनशील मामलों के लिये विशेष फास्ट-ट्रैक अदालतों को और मजबूती देनी होगी। न्यायिक प्रकिया से जुड़े कामकाज की समीक्षा होनी जरूरी है। वहीं दूसरी ओर विभिन्न मुख्य न्यायाधीशों ने बार-बार निचली अदालतों में न्यायाधीशों की कमी का मुद्दा भी उठाया है। जाहिरा तौर पर संसाधनों की कमी भी न्यायिक प्रक्रिया की गति को प्रभावित करती है। कुछ लोग मानते हैं कि सख्त कानून के साथ ही त्वरित न्याय भी अपराधियों पर मनोवैज्ञानिक दबाव बना पाएगा। यदि पुलिस व जांच एजेंसियां पुख्ता सबूतों के साथ अदालत में पहुंचें तो गंभीर मामलों में आरोप जल्दी सिद्ध हो सकेंगे। यही वजह है कि देश में शीर्ष स्तर पर भी यह धारणा बलवती हो रही है कि विभिन्न हितधारक सामूहिक जिम्मेदारी निभाएं, जिससे उस धारणा को तोड़ा जा सकता है कि न्याय देने वाली प्रणाली तारीख पर तारीख की संस्कृति को बढ़ावा देती है। विश्वास किया जाना चाहिए कि सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना के 75 वर्ष होने पर शीर्ष न्यायिक नेतृत्व लंबित मामलों के निपटारे के लिये नई प्रभावी रणनीति बनाएगा। निस्संदेह, भारतीय न्यायिक व्यवस्था की रीढ़ कही जाने वाली जिला अदालतें भी इस दिशा में बदलावकारी पहल कर सकती हैं।

सम्पादकीय

भारत-चीन के संबंधों में सुधार का अमेरिका पर असर

भारत और चीन के बीच संघाई सहयोग संगठन की बैठक के बद रिश्तों में नरमी और संवाद बढ़ रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत के ऊपर, टैरिफ और भारत के संबंधों पर जो दबाव बनाया जा रहा था। उसकी परिणति इसी रूप में होनी थी। डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के सामने कोई विकल्प नहीं छोड़ा था। जिसके कारण चीन के साथ तमाम विरोधों के बावजूद भी भारत को अपने रिश्ते चीन के साथ सुधारने पड़ रहे हैं। भारत कावास्तविक नियंत्रण रेखा पर लंबे समय से चीन के साथ तनाव बना हुआ है। तनाव के बीच संबंधों का सुधारना एक सकारात्मक संकेत माना जा सकता है। सीमा विवाद और गलवान घाटी जैसी घटनाओं ने दोनों देशों के बीच के अविश्वास को बढ़ा दिया था। भारत का चीन के साथ आयात निर्यात का असंतुलन भी दोनों देशों को असंतुलित बनाता है। अब बदली हुई परिस्थितियों में भारत और चीन के बीच की वार्ता से दोनों देश शांति, स्थिरता आर्थिक एवं सामरिक दिशा में आगे बढ़ने की पहल भारत ने अपनी तरफ से पहल कर दी है। चीन इस मामले में ईमानदारी के साथ भारत के साथ कदम से कदम मिलाकर चलेगा, तो वैश्विक स्तर पर चीन और भारत मिलकर एक नई महाशक्ति के रूप में उभर सकते हैं। भारत के लिए चीन से संबंध सुधारना, केवल सीमावर्ती तनाव को घटाने के लिए नहीं है। बल्कि यह दोनों देश के विदेश नीति की बहु-आयामी रणनीति का हिस्सा भी बन सकता है। भारत जानता है, चीन वर्तमान में एक बड़ी आर्थिक शक्ति है। चीन की वैश्विक सप्लाई चेन में महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे में सीमित स्तर पर ही सही, आपसी सहयोग, भारत और चीन को आर्थिक और कूटनीतिक लाभ वैश्विक स्तर पर मिल सकता है। इस परिप्रेक्ष्य में एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है, क्या भारत-चीन के संबंधों में सुधार का असर भारत-अमेरिका के संबंधों पर किस तरह से पड़ेगा? पिछले एक दशक में भारत और अमेरिका के रिश्ते अभूतपूर्व स्तर के थे। रक्षा, कारोबार, आपसी सहयोग, क्वाड समूह, प्रौद्योगिकी मे साझेदारी और निवेश को लेकर दोनों देशों के बीच गहरे संबंध बने थे। अमेरिका,भारत को एशिया में चीन के प्रभाव को संतुलित करने वाला अहम भागीदार मानता था। दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जब से बने हैं। उसके बाद से ही अमेरिका और भारत के संबंधों में तनाव बनना शुरू हो गया। भारत और चीन के संबंध सामान्य होने पर अमेरिका के लिए एक बड़ी नई चुनौती होगी। अमेरिका, वर्तमान स्थिति में भारत ओर चीन के दबाव को कम करने के लिए नई चुनौतियां भारत और चीन के लिए पैदा करेगा। वर्तमान स्थिति में भारत की नीति स्पष्ट है। वह किसी एक ध्रुव पर झुकने के बजाय बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में अपनी स्वतंत्र भूमिका को बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। भारत अमेरिका से अपने संबंध को बनाए रखते हुए, रूस और चीन के साथ अपने संबंध और संवाद को बेहतर बनाने का प्रयास कर रहा है। अमेरिका को समझना होगा, भारत का चीन से संबंध सुधारना, अमेरिका के साथ संबंध बिगाड़ना नहीं है। बल्कि यह भारत की सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता को सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण प्रयास है। अमेरिका और भारत दोनों के हित संबंध सुधारनेमें हैं, भारत की भूमिका एशिया में आत्मविश्वास और स्वतंत्रता के साथ बनी रहेगी, तभी वैश्विक स्तर पर शांति बनी रह सकती है। चीन को नियंत्रित रखने के लिए भारत का मजबूत होना, विश्व शांति के लिए भी बहुत जरूरी है। भारत-चीन संबंधों में सुधार, भारत की विदेश नीति का संतुलन है। चीन और भारत के बीच सुधारते रिश्ते, अमेरिका- भारत के बीच संबंधों को कमजोर नहीं करेगा। अमेरिका को भारत के संबंध और भी बेहतर बनाने होंगे। भारत एक ऐसा राष्ट्र है, जो अपनी सामरिक एवं आर्थिक क्षमता के कारण अपनी शर्तों पर वैश्विक राजनीति मे अपना प्रभाव बनाने में सक्षम है। भारत हमेशा शांतिप्रिय तरीके से सभी देशों के साथ आर्थिक सामरिक एवं कूटनीति के संबंधों को बनाकर रखता है। भारत की विदेश नीति में विश्व कल्याण की भावना ही सर्वोपरि रहती है ना काहू से दोस्ती ना काहू से बैर रखते हुए भारत हमेशा अपने को निर्विवाद बनाकर रखता है। वर्तमान में वैश्विक स्तर पर जो चुनौतियां उभर कर सामने आ रही हैं। उसमें वैश्विक स्तर में भारत की भूमिका हर दृष्टि से अति महत्वपूर्ण है। अमेरिका को भारत के साथ बेहतर व्यवहार करने की दिशा में आगे बढ़ना होगा। टैरिफ को लेकर भारत और अमेरिका के बीच संबंधों में जो खटास आई है। अमेरिका को समय रहते भारत के साथ अपने संबंधों को बेहतर बनाने की दिशा में आगे बढ़ना होगा। अमेरिका भारत के साथ गुलामों की तरह व्यवहार नहीं कर सकता है। इस बात को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जितनी जल्दी समझ जाएं, उतना अच्छा होगा। दोनों देशों के साथ-साथ वैश्विक संतुलन बनाए रखने के लिए चीन- भारत और अमेरिका के बीच संबंध सामान्य हों। समय-समय पर जो बदलाव आते हैं, उसके अनुसार रिश्तो में भी बदलाव आता है। इस बात को अमेरिका, चीन और भारत को समझना होगा।

टैरिफ नीति से नए ग्लोबल ट्रेड का उदय ?

प्रभुनाथ शुक्ल

खुद अमेरिका के लिए यह आर्थिक और सामरिक संबंधों पर कितनी कारगर होगी यह वक्त बताएगा। ट्रंप इस आर्थिक नीति से अमेरिका को कितना समृद्ध कर पाते हैं यह देखना होगा। लेकिन ट्रंप की दादागिरी ने ग्लोबल ट्रेड नीति को बड़ा झटका दिया है। अत्यधिक टैरिफ की मार झेल रहे भारत, चीन और रूस जैसे देश नई व्यापार नीति को अंजाम देने के लिए एक मंच पर आ रहे हैं। यह दक्षिण एशिया के लिए जहाँ सुखद है। दूसरी तरफ अमेरिका के भविष्य के लिए चिंतनीय।

अमेरिका की टैरिफ पॉलिसी ने ग्लोबल ट्रेड को लेकर एक नई बहुत छेड़ दिया है। अमेरिका की यह आर्थिक नीति दुनिया को कहां ले जाएगी यह अपने आप में बड़ा सवाल है। खुद अमेरिका के लिए यह आर्थिक और सामरिक संबंधों पर कितनी कारगर होगी यह वक्त बताएगा। ट्रंप इस आर्थिक नीति से अमेरिका को कितना समृद्ध कर पाते हैं यह देखना होगा। लेकिन ट्रंप की दादागिरी ने ग्लोबल ट्रेड नीति को बड़ा झटका दिया है। अत्यधिक टैरिफ की मार झेल रहे भारत, चीन और रूस जैसे देश नई व्यापार नीति को अंजाम देने के लिए एक मंच पर आ रहे हैं। यह दक्षिण एशिया के लिए जहाँ सुखद है। दूसरी तरफ अमेरिका के भविष्य के लिए चिंतनीय।

अमेरिकी अदालत ने ट्रंप की टैरिफ़ नीति को खारिज कर दिया है। अदालत के फैसले के बाद ट्रंम्प को बड़ा झटका लगा है। सरकार और अदालत के बीच टकराव की स्थित बन सकती है। यह ट्रंप की विदेश नीति के खिलाफ बड़ा फैसला है। अदालत ने ट्रंम्प प्रशासन को 14 अक्टूबर तक का वक्त दिया है, सरकार इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जा सकती है। दुनिया के देशों के लिए यह सुखद फैसला है। क्योंकि अमेरिका में खुद ट्रंप अपनी आर्थिक नीति की आलोचना झेल रहे हैं। दूसरी तरफ अदालत के फैसले के बाद ट्रंप विरोधी और मजबूत होंगे।

अमेरिका की इस पॉलिसी से भारत जैसे देश उसके खिलाफ हो गए। जिस चीन को सबक सिखाने के लिए वह भारत के साथ खड़ा था। वहीं चीन और भारत अब अमेरिकी नीति के खिलाफ एक मंच पर आ रहे हैं। दक्षिण एशिया की दो महाशक्तियां एक मंच पर आ रही है तो ट्रेडवॉर में कुछ नया होने वाला है।जिसमें रूसी राष्ट्रपति पुतिन की खास भूमिका है। इसका बड़ा नुकसान अमेरिका को उठाना पड़ सकता है। इसका असर सिर्फ आर्थिक नीतियों पर ही नहीं ग्लोबल वार, हथियार की होड़ और आर्थिक नीति पर भी पड़ेगा। ट्रंप के आगे भारत के ना झुकने की पॉलिसी ने अमेरिका की नींद उड़ा दी है। दुनिया में सबसे अधिक भारत पर 50 फ़ीसदी टैरिफ लगाया गया है। ट्रंप की यह नीति आर्थिक रूप से भारत की कमर तोड़ने की साजिश है। ट्रंम्प भारत को झुकाना चाहते हैं और पाकिस्तान की तरह खुद का पीठलग्गू बनाना चाहते हैं। लेकिन भारत के लिए यह संभव नहीं है। भारत की दुनिया में एक साख है। उसके पास विपुल आबादी है। कृषि आधारित मजबूत अर्थव्यवस्था उसका बेहद मजबूत आधार है। ऐसे हालात में भुखमरी के हालात बनने से रहे आर्थिक नुकसान भले उठाना पड़े। फिर भारत क्यों झुकेगा। आर्थिक विश्लेषण और मीडिया रिपोर्ट में यह बताया गया है कि भारतीय निर्यात पर काफी असर पड़ सकता है। टेक्सटाइल, कृषि उत्पादन, आर्नामेंट, चमड़ा, फुटवियर, केमिकल्स और मेडिसिन बाजार को काफी नुकसान उठाना पड़ेगा। भारत से करीब 28 फीसदी वस्त्र, कालीन का निर्यात अमेरिका को होता है। भारत के संपूर्ण व्यापार निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी 20 फिसदी है। भारत की जीडीपी में है दो फीसदी योगदान है। यह माना जा रहा है कि भारत को अरबों डालर का नुकसान होगा। लेकिन क्या अमेरिका के सामने झुकना भी भारत का ठीक है। समस्याएं आती हैं तो हमें विकल्प भी तलाशना होगा। जिसकी पृष्ठभूमि तैयार करने में भारत जुटा है।

हालांकि ट्रंप की वजह से भारत में नौकरियां जाने का भी खतरा बना है। कई लाख लोग बेरोजगार हो सकते हैं। श्रमप्रधान सेक्टर में सबसे ज्यादा नुकसान का प्रभाव दिख सकता है। टेक्सटाइल, आभूषण, कृषि रत्न जैसे सेक्टर में यह स्थिति दिखाई देगी। केंद्र की मोदी सरकार इससे से निपटने के लिए रणनीति भी बना रही है। फिर भी अगर अमेरिका के साथ बीच में कोई समझौता न हुआ तो भारत को आर्थिक नुकसान तो उठाना पड़ेगा। भारत को अब हर हाल में अमेरिका पर निर्भरता को कम करनी होगी।

प्रधानमंत्री का जापान इसके बाद चीन दौरा इसका संकेत है। वहां चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात कुछ नया गुल खिलाएगी। ग्लोबल ट्रेड पर कोई नया फैसला हो सकता है। अमेरिका की टैरिफ नीति के खिलाफ एक मजबूत रणनीति बन सकती है। अगर तीनों देशों की तिकड़ी सफल हो गई तो में भविष्य में अमेरिका को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

अमेरिका अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए टैरिफ़ नीति को अंजाम दिया। लेकिन उसकी इस पॉलिसी में साफ-सुथरी आर्थिक दृष्टि नहीं दिखती। अमेरिका की इस पॉलिसी में ग्लोबल पॉलिटिक्स की गंध आती है। ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने उसकी भूमिका खारिज कर दी तो चिढ़ गया। भारत, रूस से तेल लेना बंद नहीं किया तो उसका हित टकरा गया। उसने चीन के खिलाफ जहां 30 फ़ीसदी टैरिफ लगाया वहीं भारत के खिलाफ 50 फीसदी। यह ट्रंप की पारदर्शी टैरिफ़ नीति नहीं है। ट्रंप ने भारत के खिलाफ अपनी खींझ और गुस्से का प्रदर्शन किया है। लेकिन भारत भी अमेरिका के सामने झुकने वाला नहीं है। भारत समेत ब्रिक्स संगठन में शामिल देश अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करना चाहते हैं। संगठन में भारत सबसे अग्रणी। अमेरिका चाहता है कि भारत अपने कृषि और डेयरी उत्पादों में टैरिफ कम करें लेकिन भारत ने इसे स्वीकार नहीं किया। जिसका नतीजा हुआ ट्रंप ने टैरिफ बम भारत पर फोड़ दिया।

युद्ध में पेड़ पौधे की भूमिका

संजय गोस्वामी

प्रथम विश्व युद्ध के समय से ही प्रसिद्ध छलावरण तकनीकें द्वितीय विश्व युद्ध में और भी महत्वपूर्ण हो गईं। और सभी शक्तिशाली देशों ने इन विधियों का उपयोग करना शुरू कर दिया। इसका मुख्य कारण अपने महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को अत्यधिक हवाई हमलों से बचाना और हवाई अड्डों का निर्माण करना था। सैन्य उपकरणों, मोटर वाहनों, स्वचालित टैंकों और बड़ी तोपों को तारों से बने पर्दों से ढक दिया जाता था ताकि वे वायुमंडल में छिप सकें और जहाँ तोपों, मशीनों और वाहनों को ढकना संभव न हो, वहाँ उन्हें काले, भूरे, हरे रंग से धब्बेदार और तिरछी आकृतियाँ बना दी जाती थीं ताकि हवाई सर्वेक्षण के दौरान आकृति खंडित ज्यामिति के रूप में दिखाई दे और भ्रम पैदा करके वास्तविक वस्तु को पहचानने से बचाया जा सके। इस प्रकार छलावरण का प्रयोग युद्धों में एक प्रभावी तकनीक बन गया और विजय समारोह में इसने अपनी भूमिका स्थापित कर ली। दक्षिण अफ्रीका में 1899-1902 तक हुए युद्ध के दौरान ब्रिटिश सैनिक खाकी रंग की वर्दी पहनकर शत्रु से छिपते थे, क्योंकि यह पृष्ठभूमि से मेल खाती थी। परिणामस्वरूप, विश्व के सभी सैनिक खाकी रंग की वर्दी पहनते थे। आज भी सैनिक अपनी वर्दी का रंग प्राकृतिक वातावरण से मेल खाने लगे हैं, ताकि वे शत्रुओं की पैनी खोजी निगाहों से बच सकें। पिछले दशक में ईरान और इराक के बीच हुए युद्ध में कई आधुनिक छलावरण तकनीकों का इस्तेमाल किया गया था, जिनसे हम भली-भांति परिचित हैं। प्रथम विश्व युद्ध के बाद से हुए सभी युद्धों में छलावरण तकनीक और तकनीकों का सफलतापूर्वक प्रयोग किया गया है। लेकिन वर्तमान में छलावरण तकनीक में अभूतपूर्व विकास हुआ है। पहले के युद्धों में पारंपरिक तकनीकों का प्रयोग इसलिए शामिल था क्योंकि सुदूर संवेदन, नैनो तकनीक और नैनो पदार्थों तथा स्टील्थ अनुप्रयोगों के साथ-साथ आधुनिक डिटेक्टर मौजूद नहीं थे और परिणामस्वरूप छलावरण विशेषताओं की पहचान करना आसान नहीं था। आजकल युद्ध में छलावरण की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।जो पेड़ पौधे में लुक कर प्रकृति में छलावरण के सहारे गोरिल्ला युद्ध की जा रही है। चाहे वह प्राणी जगत हो या कीड़ों का संसार या महासागरों के विशाल जलीय जीव, सभी प्राणियों को अपने अस्तित्व के लिए शिकार से बचने हेतु छलावरण का सहारा लेना पड़ता है। यदि हम अपने परिवेश पर नज़र डालें, तो ऐसे अनेक प्राणी हैं जिनका रंग, रूप, आकृति, रूप और प्रकार विशेष आकर्षण का केंद्र होते हैं, जैसे जंगली जानवर ज़ेबरा, तेंदुआ, विभिन्न प्रकार के पक्षी, गिरगिट, मेंढक और साँप आदि। प्राचीन काल से ही गुरिल्ला और छापामार सैनिक युद्ध में शत्रु को धोखा देने के लिए छलावरण का प्रयोग करते रहे हैं। प्राचीन ट्रोजन युद्ध में प्रयुक्त लकड़ी का ट्रॉय घोड़ा, लकड़ी के घोड़े की छाया को एक स्थान पर रखकर दस वर्षों तक अपनी रक्षा कर सकता था। चंगेज खान के मंगोल सैनिक अपनी टोपियों पर पेड़ों की पत्तियाँ और शाखाएँ रखकर एक स्थान से दूसरे स्थान पर प्रवास करते थे और इस प्रकार प्राकृतिक सुरक्षा में छिपकर अपने शत्रुओं से युद्ध करते थे। छलावरण (कैमोफ्लेज) फ्रांसीसी शब्द कैमोफ्लेज से लिया गया है जिसका शाब्दिक अर्थ है सामने वाले व्यक्ति (शत्रु) पर धुआँ फेंकना, आँखों में धूल झोंकना या धोखा देना। छलावरण एक गुप्त कला है जिसके द्वारा हमारी सेनाओं, हथियारों और अन्य सामग्रियों को इस प्रकार छिपाकर रखा जाता है कि शत्रु की गतिविधियों पर कड़ी नज़र रखते हुए भी शत्रु भ्रमित हो जाए। इस प्रकार, भ्रमित शत्रु हमारे सैन्य बल और हथियारों पर आक्रमण करने के बजाय, कृत्रिम हवाई अड्डों, बैरकों, आयुध कारखानों, सैन्य उपकरणों और अन्य छद्म लक्ष्यों पर आक्रमण करता है और उनके हथियारों और उपकरणों को व्यर्थ ही नष्ट कर देता है। इस प्रकार, छलावरण विज्ञान शत्रु का मनोबल तोड़कर उसे हतोत्साहित करने में सफल सिद्ध हुआ है। इस शताब्दी में भी सैनिक व्यक्तिगत और वाहन छलावरण में इस पद्धति का प्रयोग करते हैं। जनरल वाशिंगटन दुश्मन को धोखा देने में इतने निपुण थे कि वे रात में तंबुओं में आग लगाकर अपनी सेना के साथ छिप जाते थे। वे इसलिए चले जाते थे ताकि दुश्मन को उस खास जगह पर उनकी मौजूदगी का भ्रम हो।

चिंतन-मनन

मन की शक्ति

मन को जीवन का केंद्रबिंदु कहना असंभव नहीं है। मनुष्य की क्रियाओं, आचरणों का प्रारंभ मन से ही होता है। मन तरह-तरह के संकल्प, कल्पनाएं करता है। जिस ओर उसका रुझान हो जाता है उसी ओर मनुष्य की सारी गतिविधियां चल पड़ती है। जैसी कल्पना हो उसी के अनुरूप प्रयास-पुरुषार्थ एवं उसी के अनुसार फल सामने आने लगते हैं। मन जिधर रस लेने लगे उसमें लौकिक लाभ या हानि का बहुत महत्व नहीं रह जाता। प्रिय लगने वाले के लिए सब कुछ खो देने और बड़े से बड़े कष्ट सहने को भी मनुष्य सहज ही तैयार हो जाता है। मन यदि अच्छी दिशा में मुड़ जाए; आत्मसुधार, आत्मनिर्माण और आत्मविकास में रुचि लेने लगे तो जीवन में एक चमत्कार हो सकता है। सामान्य श्रेणी का मनुष्य भी महापुरुषों की श्रेणी में आसानी से पहुंच सकता है। सारी कठिनाई मन को अनुपयुक्त दिशा से उपयुक्त दिशा में मोड़ने की ही है। इस समस्या के हल होने पर मनुष्य सच्चे अर्थ में मनुष्य बनता हुआ देवत्व के लक्ष्य तक सुविधापूर्वक पहुंच सकता है। शरीर के प्रति कर्तव्य पालन करने की तरह मन के प्रति भी हमें अपने उत्तरदायित्वों को पूर्ण करना चाहिए। कुविचारों और दुर्भावनाओं से मन गंदा, मलिन और पतित होता है, अपनी सभी विशेषता और श्रेष्ठताओं को खो देता है। इस स्थिति से सतर्क रहने और बचने की आवश्यकता का अनुभव करना हमारा पवित्र कर्तव्य है। मन को सही दिशा देते रहने के लिए स्वाध्याय की वैसी ही आवश्यकता है जैसे शरीर को भोजन देने की। आत्मनिर्माण करने वाली जीवन की समस्याओं को सही ढंग से सुलझाने वाली उत्कृष्ट विचारधारा की पुस्तकें पूरे ध्यान, मनन और चिंतन के साथ पढ़ते रहना ही स्वाध्याय है। यदि सुलझे हुए विचारों के जीवन विद्या के ज्ञाता कोई संभ्रांत सज्जन उपलब्ध हो सकते हों तो उनका सत्संग भी उपयोगी सिद्ध हो सकता है। मन का स्वभाव बालक जैसा होता है, उमंग से भरकर वह कुछ न कुछ करना-बोलना चाहता है। यदि दिशा न दी जाए तो उसकी क्रियाशीलता तोड़-फोड़ एवं गाली-गलौज के रूप में भी सामने आ सकती है। मन में जब सद्विचार भरे रहेंगे तो कुविचार भी कोई दूसरा रास्ता टटोलेंगे। रोटी और पानी जिस प्रकार शरीर की सुरक्षा और परिपुष्टि के लिए आवश्यक हैं उसी प्रकार आत्मिक स्थिरता और प्रगति के लिए सद्विचारों, सद्भावों की प्रचुर मात्रा उपलब्ध होनी ही चाहिए। युग निर्माण के लिए, आत्म निर्माण के लिए वह प्रधान साधन है। संकल्प की, मन की शुद्धि के लिए इसे ही दवा माना गया है।

खास बात

राज्यपाल-राष्ट्रपति के खिलाफ सुनवाई का अधिकार न्यायपालिका को नहीं

राष्ट्रपति द्रोपति मुर्मू ने सुप्रीम कोर्ट को पत्र लिखकर सुप्रीम कोर्ट से अधिकार के बारे में पूछा था। उस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में चल रही है। सरकार ने अपना पक्ष रखते हुए कहा है, राज्यपाल और राष्ट्रपति के फैसले न्यायपालिका की समीक्षा के अंतर्गत नहीं आते हैं। कोई भी राज्य सरकार या व्यक्ति राज्यपाल और राष्ट्रपति के निर्णय के खिलाफ याचिका दायर नहीं कर सकता है।उनका निर्णय ही अंतिम निर्णय होता है। सरकार के इस पक्ष को सुप्रीम कोर्ट मान लेती है। ऐसी स्थिति में फिर केंद्र सरकार का ही शासन सारे देश में चलेगा। सारे राज्यपाल लाट साहब हो जाएंगे। मुख्यमंत्री और मंत्रिमंडल का कोई वजूद नहीं रहेगा। सभी को प्रधानमंत्री की इच्छा पर काम करना होगा।

जम्मू कश्मीर की खाली राज्यसभा सीटें

जम्मू कश्मीर की राज्यसभा में चार सीट हैं।वह कब तक खाली रहेगी, इस पर कोई फैसला नहीं हो पा रहा है। चारों सीटों का कार्यकाल एक साथ शुरू होगा, या हर 2 साल में एक तिहाई सदस्यों को रिटायर किया जाएगा। इसके बारे में अभी तक कोई निर्णय चुनाव आयोग और सरकार के बीच में नहीं हो पा रहा है। जम्मू कश्मीर को राज्यसभा में प्रतिनिधित्व नहीं मिल रहा है। उपराष्ट्रपति का चुनाव होना है। इसमें जम्मू कश्मीर से राज्यसभा का कोई प्रतिनिधित्व नहीं होगा। इसको लेकर यह मामला उग्र होता जा रहा है। यदि अभी चुनाव हुए तो चारों सीटें नेशनल कांफ्रेंस के पास चली जाएगी। यही पेंच फंसा हुआ है।

जांबाज सैनिकों का खुलासा नहीं करेगी सरकार

पहलगाम घटना के आरोपियों को महादेव पहाड़ियों पर सैनिकों ने मार गिराया।सरकार इन जांबाज सैनिकों की पहचान बताने के लिए तैयार नहीं है। केंद्रीय गृह मंत्रालय और सेना का कहना है। सुरक्षा की दृष्टि से दुनिया के सभी देश इस तरह की जानकारी को गोपनीय रखते हैं।ओबामा बिन लादेन को जिन सैनिकों ने मारा था। उनकी पहचान गोपनीय रखी गई है।सरकार जांबाज सैनिकों का गुप्त रूप से सम्मान करेगी। मानसून सत्र शुरू होने जा रहा था, सत्र के दौरान ही पहलगाम घटना के आरोपियों के मारने की पुष्टि सदन में गृहमंत्री ने की थी। इसके बाद से यह मामला चर्चाओं में है।

बिहार में राहुल गांधी की तूफानी यात्रा

बिहार में कांग्रेस नेता राहुल गांधी वोट अधिकार यात्रा के माध्यम से बिहार के सभी जिलों में पहुंच रहे हैं। उनकी यात्रा में भारी भीड़ जुट रही है। गरीब गुरवे अपने वोट के अधिकार को बनाए रखना चाहते हैं। वोट यात्रा की सफलता को देखते हुए सभी राज्यों के विपनेता वहां पहुंच रहे हैं। जिस तरह से वोट यात्रा को जन समर्थन मिल रहा है। उसको लेकर भाजपा और एनडीए के सहयोगी दलों में हड़कंप मच गया है।राहुल गांधी की इस यात्रा को किस तरह से विवादित और फ्लॉप किया जाए।इसके लिए सुनयोजित प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। पहले पाकिस्तान के आतंकवादी आए, अब गाली वाला मामला तूल पकड़ गया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री आए थे। उन्हें सनातनी विरोधी बताकर भाजपा काफी उग्र हुई। अब यह लड़ाई गाली के मामले में सड़कों पर आ गई है।राहुल गांधी सत्य अहिंसा की बात कर रहे हैं। भाजपा ने जिस राहुल गांधी को 10 साल तक पप्पू बनाकर रखा था।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, भादपद शुक्ल पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथी, दसवी, मंगलवासरे, मूलनक्षत्रे, प्रीतयोगे, तैतिल करणे, धनु की चंद्रमा, मूल समाप्त रात्रि 8.05 रवियोग समाप्त उग्रकर्म मुहूत वाहन क्रय धान्य रोपण मु. तथापि पूर्व की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल-चंचल, चतुर, स्वाभिमानी, शिक्षक-शिक्षाविद, शिक्षाशास्त्री, लेक्चरार, प्रोफेसर, प्रिंसपल, तथा पंडित, विद्वान, संत-महात्मा, योगी-भोगी तथा कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, प्रशासक कर्मचारी होगा।

मेष राशि- आशानुकूल सफलता का हर्ष, व्यवसायिक समृद्धि के साधन बनाये ही रखेंगे ध्यान रखें।

वृष राशि- इष्ट मित्र वर्ग से हर्ष उल्लास, कार्य व्यवस्था गति उत्तम बनीं ही रहेगी, समय का ध्यान रखें।

मिथुन राशि- सफलता के साधन हाथ से निकल जायें, मित्रों से असंतोष होगा, अधिकारी असमर्थ होंगे।

कर्क राशि- योजना फलीभूत होगी, सफलता के साधन जुटायें, रुके कार्य के बनने से हर्ष अवश्य होगा।

सिंह राशि- दैनिक कार्यगति अनुकूल, प्रभुत्व वृद्धि, किसी रुके कार्य के बनने से हर्ष अवश्य होगा।

कन्या राशि- मान-प्रतिष्ठा प्रभुत्व वृद्धि, कार्यकुशलता से बिगड़े कार्य बनेंगे, अधीर न हो।

तुला राशि- योजना फलीभूत हो तथा मान प्रतिष्ठा बढ़ेगी, रुके कार्य बनें, कार्य व्यवस्था बढ़ेगी।

वृश्चिक राशि- स्थिति अनुकूल रहीं, विशेष कार्य स्थिगित रखें, हानि होने की विशेष संभावना।

धनु राशि- कार्य विफल, दूसरों के कार्यों में धन समय की हानि होगी, कार्य व्यवसाय का ध्यान रखें।

मकर राशि- अधिकारियों के मेल-मिलाप से लाभ अवश्य होगा, समय का लाभ अवश्य लें।

कुंभ राशि- परिश्रम करने पर भी सफलता न मिले तथा अनेक प्रकार की असुविधा बनेगी।

मीन राशि- दैनिक कार्यगति अनुकूल, प्रभुत्व वृद्धि, किसी रुके कार्य के बनने का हर्ष होगा।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

2 सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.49 बजे से
चंद्र	धनु में	तुला	09.00 बजे से
मंगल	कन्या में	वृश्चिक	11.14 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	13.30 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	15.36 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	17.22 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.55 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	20.25 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	22.05 बजे से
राहुकाल		मिथुन	00.04 बजे से
3.00 से 4.30		कर्क	02.17 बजे से
बजे तक		सिंह	04.33 बजे से

मंगलवार 2025 वर्ष का 245 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल
तिथि दशमी 03.53 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** मूल 21.51 बजे को समाप्त। **योग** प्रीति 16.39 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 15.23 बजे तदनन्तर गर 03.53 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 9.8 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 07° 54'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872455
जूलियन दिन 2460920.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रवि उलावल
तारीख 09
विशेष गौरी विसर्जन।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

हमारे अच्छे कर्मों से खुश होते हैं भगवान

भगवान माला और माल से राजी नहीं होते, बल्कि हमारे कर्मों से प्रसन्न होते हैं। गीता निष्काम कर्मों के द्वारा मोक्ष प्राप्ति का मार्ग बताती है। श्रेष्ठ कर्मों को ही सच्ची भक्ति समझो। इसीलिए अपने कर्मों को ही पूजा बना लो। जिस प्रकार कमल के पत्ते पानी में रहते हुए भी जल को अपने ऊपर नहीं आने देते। ऐसे ही निष्काम कर्मयोगी संसार में रहते हुए भी कर्मों के बंधन तथा मोह में आसक्त नहीं होते है। गीता संसार को कर्मशील व पुरुषार्थी होने का संदेश देती है। वह हमारे मन में स्वार्थ, लोभ, अहंकार से ऊपर उठकर निष्काम व परोपकार के कर्मों की भावना जागृत करती है। वह श्रेष्ठ कर्म करते हुए इहलोक तथा परलोक दोनों के लिए उन्नति करने के लिए प्रेरणा देती है। हे मनुष्यों, वर्तमान जीवन और जगत को कर्मों की सुगंध से भरते चलो। कर्त्तव्य व दायित्व को ईमानदारी व कुशलता से निभाओ। गीता कह रही है– योगः कर्मसु कौशलम् अर्थात जो भी कर्म करो, उसको पूर्णता, निपुणता, सुन्दरता और कुशलता से करो। जो इस तरह से जीवन को जीता है, गीता के अनुसार वह इस जीवन व जगत को सफल कर लेता है और उसका अगला जन्म भी सुधर जाता है।

तन के श्रृंगार में ही जो समय गंवा देते हैं वह इस नाशवान संसार में भटक कर रह जाते हैं लेकिन जो मन का श्रृंगार कर उसमें बैठे परमात्मा की आराधना करते है वह संसार की मलिनता से बच जाते हैं, वस्तुतः दुर्गुणों से ही जीवन में मलिनता आती है। इनसे बचने का एकमात्र उपाय वेद शास्त्र और पुराणों का मंथन करना तथा सज्जनों की संगति है। अतः हमें अपने कर्मों पर ध्यान देते हुए जीवन जीना चाहिए।

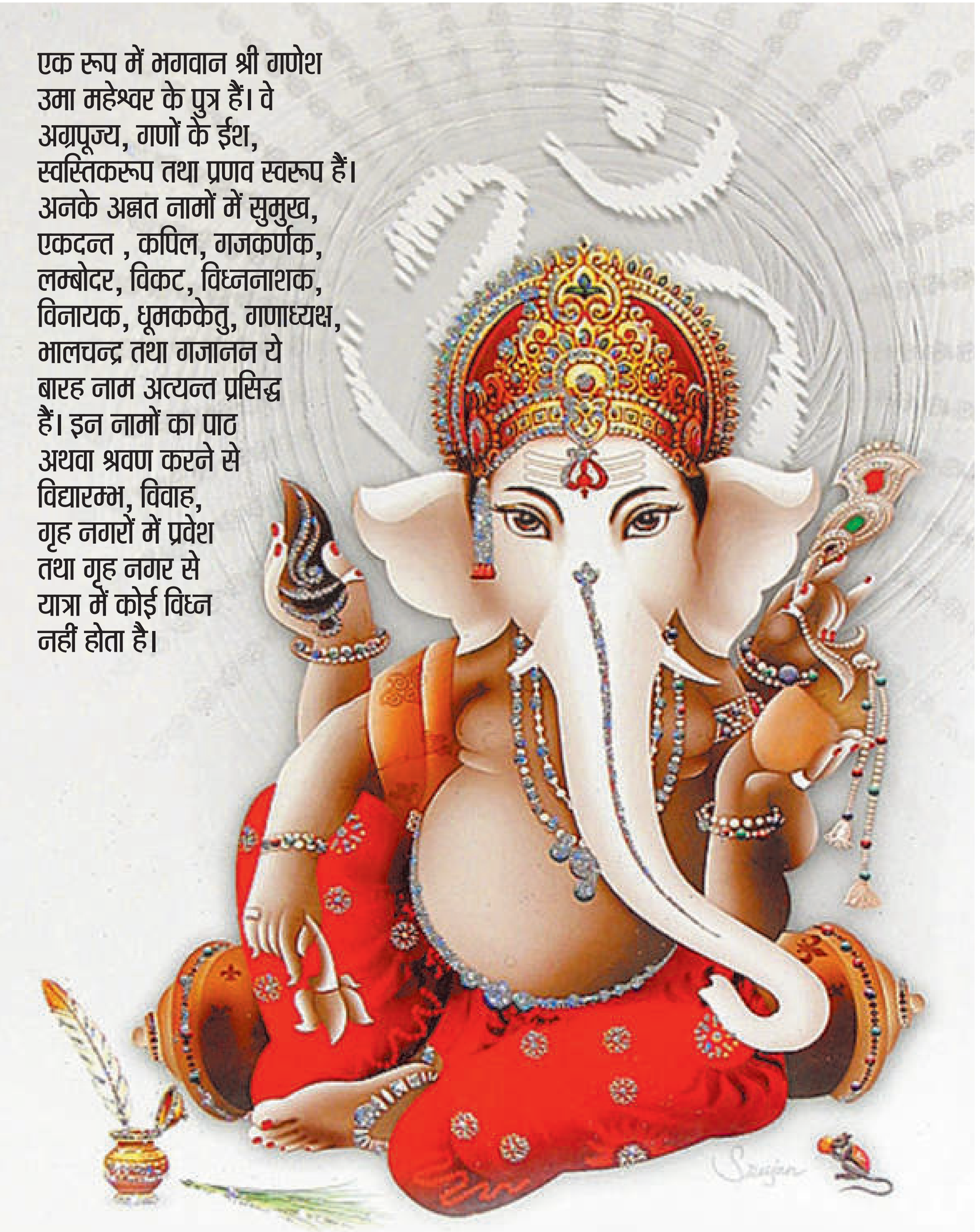

एक रूप में भगवान श्री गणेश उमा महेश्वर के पुत्र हैं। वे अग्रपूज्य, गणों के ईश, स्वस्तिकरूप तथा प्रणव स्वरूप हैं। अनके अन्नत नामों में सुमुख, एकदन्त , कपिल, गजकर्णक, लम्बोदर, विकट, विघ्ननाशक, विनायक, धूमककेतु, गणाध्यक्ष, भालचन्द्र तथा गजानन ये बारह नाम अत्यन्त प्रसिद्ध हैं। इन नामों का पाठ अथवा श्रवण करने से विद्यारम्भ, विवाह, गृह नगरों में प्रवेश तथा गृह नगर से यात्रा में कोई विघ्न नहीं होता है।

मनुष्य पांच तत्त्वों से बना है। इन तत्त्वों में से अग्नि विशेष है। जहां एक ओर अन्य सभी तत्त्व प्रदूषित हो सकते है, वहीं अग्नि को दूषित नहीं किया जा सकता।

पूजा पाठ के अंत में हवन करने का क्या कारण है?

सृष्टि के सभी तत्व पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु व आकाश के विभिन्न संयोजनों से बने हैं। जगत का ही एक अंश होने के कारण मनुष्य भी इन्हीं पांच तत्वों से बना है। इन तत्वों में से अग्नि विशेष है। जहां एक ओर अन्य सभी तत्व प्रदूषित हो सकते है, वहीं अग्नि को दूषित नहीं किया जा सकता।

हमारे ऋषि अग्नि की इस विशेषता से भली भांति परिचित थे और इसीलिए हवन और दूसरे सभी वैदिक कर्मों में अग्नि का विशेष महत्त्व होता है। हवन मात्र एक कर्मकांड नहीं बल्कि एक योगी के लिए उन दिव्य शक्तियों से वार्तालाप का माध्यम है जो इस सृष्टि को चलाती हैं। तो क्या इसका अर्थ यह हुआ कि वे तत्त्व शुद्ध नहीं हैं जिनसे मनुष्य बना है। जिस प्रकार इस संसार में पृथ्वी, जल, वायु व आकाश प्रदूषित हो जाते हैं, उसी प्रकार से मानव शरीर में भी इन तत्त्वों का प्रदूषित होना संभव है। यह प्रदूषण मनुष्य को पतन अथवा विकृति की ओर धकेलता है। मनुष्य में इन तत्त्वों के प्रदूषण का पता लगाना अति सरल है। पृथ्वी तत्त्व के दूषित होने से व्यक्ति को समाज में प्रतिष्ठित पद और भव्य जीवन शैली जैसी सुविधाएं पाने की इच्छाएं बेलगाम होने लगती हैं।

जब जल तत्त्व दूषित होता है तो अप्राकृतिक काम इच्छा जागृत होने लगती है। वैदिक शास्त्र अपनी स्वाभाविक इच्छाओं का दमन करने के लिए नहीं कहता। अग्नि तत्त्व को दूषित नहीं किया जा सकता। योग और सनातन क्रिया की साधना से साधक अग्नि तत्त्व के अनुकूल स्तर बनाए रख सकता है। वायु तत्त्व यह निश्चित करता है कि हृदय व फेफड़े ठीक से कार्य करें। इस तरह रक्त संचार प्रणाली और श्वास प्रणाली भी सही काम करती रहती है। अंत में दूषित आकाश तत्त्व के कारण थायरायड व पैराथायरायड ग्रंथियों के रोग और श्रवण शक्ति का क्षीण होना पाया जाता है। मात्र एक हवन में ही यह क्षमता होती है कि मनुष्य के सभी दोष समाप्त हो सकें।

ऐसे पाइए रिद्धि सिद्धि के दाता गणपति का आशीर्वाद...

भगवान गणेश का स्वरूप अत्यन्त ही मनोहर एवं मंगलदायक है। वे एकदन्त और चतुर्बाह हैं। अपने चारों हाथों में वे क्रमश पाश, अंकुश, मोदक पात्र तथा वर मुद्रा धारण करते हैं। वे रक्तवर्ण, लम्बोदर, शूर्पकर्ण तथा पीत वस्त्र धारी हैं। वे रक्त चंदन धारण करते हैं तथा उन्हें रक्त वर्ण के पुष्प विशेष प्रिय हैं। वे अपने उपासकों पर शीघ्र प्रसन्न होकर उनकी सममत मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं।

एक रूप में भगवान श्री गणेश उमा महेश्वर के पुत्र हैं। वे अग्रपूज्य, गणों के ईश, स्वस्तिकरूप तथा प्रणव स्वरूप हैं। अनके अन्नत नामों में सुमुख, एकदन्त , कपिल, गजकर्णक, लम्बोदर, विकट, विघ्ननाशक, विनायक, धूमककेतु, गणाध्यक्ष, भालचन्द्र तथा गजानन ये बारह नाम अत्यन्त प्रसिद्ध हैं। इन नामों का पाठ अथवा श्रवण करने से विद्यारम्भ, विवाह, गृह नगरों में प्रवेश तथा गृह नगर से यात्रा में कोई विघ्न नहीं होता है।

भगवान गणपति के अनेक अवतार हुए हैं। उनके सभी चरित्र अनन्त हैं। पदम पुराण के अनुसार एक बार पार्वती जी ने अपने शरीर के मैल से एक पुरूषाकृति बनाई जिसका मुख हाथी के समान था। फिर उस आकृति को उन्होंने गंगा जल में डाल दिया। गंगा जल में पड़ते ही वह आकृति विशालकाय हो गई। पार्वती जी ने उसे पुत्र कहकर पुकारा देव समुदाय ने उन्हें गंगये कहकर सम्मान दिया और ब्रहमाजी ने उन्हें गणों का अधिपत्य प्रदान करके गणेश नाम दिया।

लिंग पुराण के अनुसार एक बार देवताओं ने भगवान शिव की उपासना करके उनसे सुरद्रोही दानवों के दुष्कर्म में विघ्न उपस्थित करने के लिए वर मांगा। आशुतोष शिव ने तथास्तु कहकर देवताओं को संतुष्ट कर दिया। समय आने पर गणेश जी का प्राकट्य हुआ। उनका मुख हाथी के समान था और उनके एक हाथ में त्रिशुल तथा दूसरे में पाश था। देवताओं ने सुमन वृष्टि करते हुए गजानन के चरणों में बारम्बार प्रणाम किया। भगवान शिव जी ने गणेश जी को दैत्यों के कार्यों में विघ्न उपस्थित करके देवताओं और ब्रह्माणों का उपकार करने का आदेश दिया।

प्रजापति विश्वकर्मा की सिद्धि बुद्धि नामक दो कन्याएं गणेश जी की पत्नियां हैं। सिद्धि से क्षेम और बुद्धि से लाभ नामक शोभा सम्पन्न दो पुत्र हुए। शास्त्रों और पुराणों में सिंह मयूर और मूषक को गणेश जी का वाहन बताया गया है। गणेश पुराण के क्रिड़ा खण्ड में उल्लेख है कि कृतयुग में गणेश जी का वाहन सिंह है। वे दस भुजाओं वाले, तेज स्वरूप तथा सब को वर देने वाले हैं और उनका नाम विनायक है। त्रेता में उनका वाहन मयूर है, वर्ण श्वेत है तथा तीनों लोकों में वे मयूरेश्वर नाम से विख्यात हैं और छ भुजाओं वाले हैं। द्वापर में उनका वर्ण लाल है। वे चार भुजाओं वाले और मूषक वाहन वाले हैं तथा गजानन नाम से प्रसिद्ध हैं। कलयुग में उनका धूम्रवर्ण है। वे घोड़े पर आरूड़ रहते हैं। उनके दो हाथ हैं तथा उनका नाम धूम्रकेतू है। मोदक प्रिय गणेश जी विद्या बुद्धि और समस्त सिद्धियों के दाता तथा थोड़ी उपासना से प्रसन्न हो जाते हैं। उनके जप का मंत्र ओम गं गणपतेय नमः है।

कैसे हनुमान जी आपका लॉकर सदा धन से भरा रखेंगे

जीवन की समस्त अवश्यकताओं की पूर्ति के लिए धन की आवश्यकता होती है। कुछ लोग कम मेहनत करने पर भी अधिक धन संचित कर लेते हैं तो कुछ लोगों को कड़ी मेहनत के उपरांत भी उनकी मेहनत के अनुरूप धन नहीं मिल पाता। कई लोग ऐसे होते हैं जो कमाई तो अच्छी कर लेते हैं, लेकिन आगे के लिए कुछ बचा नहीं पाते। अगर धन का अगमान ठीक भी हो तो बढ़े हुए खर्च के कारण धन संबंधी परेशानी बनी रहती है। आप जब भी बैंक जाएं तो मन ही मन महालक्ष्मी के मंत्रों का जाप करें। ऐसा करने से बैंक में जमा पैसे पर महालक्ष्मी की कृपा बनी रहेगी और उस पैसे में निरंतर बढ़ौतरी होती रहेगी।

ऊँ महालक्ष्म्यै नमः, ऊँ ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः
ऊँ श्रीं ह्रीं क्लीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः

निम्न पंक्तियों का प्रतिदिन जाप करने से हनुमान जी के साथ साथ यम, कुबेर एवं अन्य देवी–देवताओं की भी कृपा प्राप्त होगी। कुबेर देव की अनुकम्पा से आपका लॉकर कभी खाली नहीं होगा और सदा धन से भरा रहेगा।

जम कुबेर दिगपाल जहां ते। कवि कोबिद कहि सके कहां ते।।

मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होने पर कुबेर जी अपना खजाना उनके भक्तों के लिए खोल देते हैं इसलिए मां लक्ष्मी के साथ साथ कुबेर जी का चित्र अथवा श्री रूप घर में स्थापित करें। वास्तु शास्त्र के मतानुसार मां लक्ष्मी और कुबेर जी का चित्र अथवा श्री रूप उत्तर दिशा की ओर स्थापित करें। इससे उत्तर दिशा सक्रिय होगी एवं धन आगमन में आने वाली समस्त बाधाओं का नाश होगा।

इन महाविद्याओं से सिद्धियों एवं मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है

शिवपुराण के मतानुसार भगवान शिव शंकर के दस अवतारों में आदशक्ति मां दुर्गा समस्त अवतारों में उनके साथ अवतरित हुई थी। दस महाविद्यायों के नाम से जानी जानें वाली महामाया मां जगत् जननी दुर्गा के ये दस रूप तांत्रिकों एवं उपासकों की आराधना का अभिन्न अंग हैं। इन महाविद्याओं के माध्यम से उपासक को बहुत सी सिद्धियों एवं मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है। मां दुर्गा एवं भगवान शिव शंकर के दस अवतार इस प्रकार हैं–

- भगवान शिव शंकर के महाकाल अवतार के समय देवी महाकाली के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के तारकेश्वर अवतार के समय देवी तारा के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के भुवनेश अवतार के समय देवी भुवनेश्वरी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के षोडश अवतार के समय देवी षोडशी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के भैरव अवतार के समय देवी जगदम्बा भैरवी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के छिन्नमस्तक अवतार के समय देवी छिन्नमस्ता के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के ध्रूमवान अवतार के समय धूमावती के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के बगलामुखी अवतार के समय देवी जगदम्बा बगलामुखी रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के मातंग अवतार के समय देवी मातंगी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के कमल अवतार के समय कमला के रूप में देवी उनके साथ अवतरित हुई।

संक्षिप्त समाचार

अब आईएलटी20 लीग में खेलेंगे अश्विन

चेन्नई। हाल ही में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से संन्यास लेने वाले दिग्गज स्पिनर आर अश्विन अब विदेशी लीग (आईएलटी20) में खेलते हुए दिखेंगे। अश्विन ने आईपीएल छोड़ते समय ही साफ कर दिया था कि अब वह नई संभावनाएं तलाशेंगे। इसी को सही साबित करते हुए अश्विन ने अब एक अंतरराष्ट्रीय लीग से करार भी किया है। अश्विन ने आईपीएल से संन्यास के समय कहा था, हर अंत की एक नई शुरुआत होती है, एक आईपीएल क्रिकेटर के रूप में मेरा समय आज समाप्त हो रहा है पर विभिन्न लीगों में संभावना तलाशने का दौर प्रारंभ हो रहा है। अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय टी20 लीग (आईएलटी20) 2026 की नीलामी के लिए करार किया है। यूएई में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट में पहले ड्राफ्ट प्रणाली का पालन होता था पर इस सत्र से नीलामी प्रणाली शुरु की जाएगी।

बुमराह वर्तमान दौर के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज: अकरम

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह वर्तमान समय के एक महान गेंदबाज हैं। अकरम ने कहा कि जिस प्रकार भारतीय टीम प्रबंधन उनके वर्कलोड का ध्यान रख रहा है वह भी सराहनीय बात है। अकरम ने कहा कि बुमराह विश्व-स्तर के गेंदबाज है और इसमें किसी को भी संदेह नहीं होना चाहिये। इस पूर्व गेंदबाज ने कहा, बुमराह का ऐक्शन सबसे अलग है। उनके पास गति है और जिस तरह से प्रबंधन उनका ध्यान रख रहा है वह भी काफी अच्छी बात है। इसका पूरा श्रेय प्रबंधन और इस गेंदबाज की मानसिकता को जाता है।

वैभव सूर्यवंशी के निडर रवैये के कायल हुए रैना

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने 14 साल के उभरत हुए क्रिकेट सितारे वैभव सूर्यवंशी की जमकर सराहना करते हुए कहा है कि उसका निडर रवैया उसे सबसे अलग बताता है। वैभव ने आईपीएल 2025 सत्र में राजस्थान रॉयल्स की ओर से आक्रामक बल्लेबाजी कर सबको प्रभावित किया था। वैभव को राजस्थान ने 1.1 करोड़ रुपए में लिए था। इस क्रिकेटर ने 35 गेंदों में शतक लगाकर अपने चयन को सही साबित किया था। इस क्रिकेटर ने अंडर- I9 टीम के साथ ही इंग्लैंड दौरे पर भी जबरदस्त बल्लेबाजी की थी। । वैभव ने इंग्लैंड अंडर-19 के खिलाफ एकदिवसीय मैच में 52 गेंदों में शतक लगाकर रिकार्ड बनाया था।

टीमों के बीच 122 करोड़ बटेंगे, पुरुष टूर्नामेंट से 39 करोड़ ज्यादा

महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप की प्राइज मनी पुरुषों से ज्यादा

दुबई ■ एजेंसी

महिलाओं के वनडे वर्ल्ड कप प्राइज मनी पुरुषों से ज्यादा हो गई है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने सोमवार को इसका ऐलान किया।

इसके अनुसार, 30 सितंबर से भारत और श्रीलंका में होने जा रहे विमेंस वनडे वर्ल्ड कप 2025 में कुल 13.88 मिलियन डालर (करीब 122 करोड़ रुपए) की इनामी राशि बांटी जाएगी। 2023 में भारत में खेले गए मेंस वनडे वर्ल्ड कप के दौरान करीब 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर (83 करोड़ रुपए) बांटे गए थे।

चैंपियन को मिलेंगे 39.5 करोड़ रुपए: इस साल की विमेंस वनडे वर्ल्ड चैंपियन टीम को 4.48 मिलियन डॉलर (लगभग 39.55 करोड रुपए) की पुरस्कार राशि मिलेगी। जो कि इस टूर्नामेंट में अभी तक की सबसे बड़ी इनामी राशि है। पिछले सीजन की तुलना में ड्डष्ट ने विनर्स की प्राइज मनी में 13.20 (लगभग 11.65 करोड रुपए) की बढ़ोतरी की है।

इस विमेंस वर्ल्ड कप की रनर अप को 2.24 मिलियन डॉलर (लगभग 19.77 करोड़ रुपए) से संतोष करना पड़ेगा। सेमीफाइनल में हारने वाली टीमों को 1.12 मिलियन डॉलर (लगभग 9.89 करोड़ रुपए) मिलेंगे।

ग्रुप चरण जीत दर्ज करने पर टीमों को 34,314 डॉलर (लगभग 30.29 लाख रुपए) मिलेंगे। 5वें और छठे स्थान पर रहने वाली टीमों को 700,000 डॉलर (लगभग 62 लाख रुपए) और 7वें और 8वें स्थान पर रहने वाली टीमों को 280,000 डॉलर (लगभग 24.71 लाख रुपए) मिलेंगे। प्रत्येक प्रतिभागी टीम को 250,000 डॉलर (लगभग 22 लाख रुपए) मिलेंगे।

पिछले सीजन से चार गुना ज्यादा बढ़ी प्राइज मिनी: महिला वनडे वर्ल्ड कप में दुनिया की टॉप-8 टीमें हिस्सा लेंगी। इसकी टोटल प्राइज मनी में लगभग चार गुना वृद्धि की गई है। आईसीसी ने इस प्रतियोगिता के लिए कुल पुरस्कार राशि 13.88 मिलियन डॉलर (लगभग 122.5 करोड़ रुपए) घोषित की है। पिछले सीजन में 3.5 मिलियन यूएस डॉलर यानी कि करीब 26 करोड़ रुपए बांटे गए थे। तब की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को 1.32 मिलियन यूएस डॉलर यानी कि करीब 9.9 करोड़ रुपए दिए गए थे।

दलीप ट्रॉफी के फाइनल का सीधा प्रसारण होगा: बीसीसीआई

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि दलीप ट्रॉफी के खिताबी मुकाबले का सीधा प्रसारण होगा। बीसीसीआई का ये बयान प्रशंसकों की आलोचना को देखते हुए आया है। प्रशंसकों ने दलीप ट्रॉफी मैचों का प्रसारण नहीं किये जाने पर निराशा जतायी थी। बीसीसीआई ने कहा है कि 11 से 15 सितंबर के बीच होने वाले दलीप ट्रॉफी का फाइनल टीवी पर प्रसारित किया जाएगा। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, दलीप ट्रॉफी के फाइनल का सीधा प्रसारण होगा। हमने अपने प्रसारक के साथ 100 दिनों के घरेलू क्रिकेट का सीधा प्रसारण पक्का करने के लिए करार किया है। जिसका मतलब है कि हमारे सभी घरेलू टूर्नामेंटों का सीधा प्रसारण होगा। बीसीसीआई घरेलू क्रिकेट को अत्यधिक महत्व देता है क्योंकि इन मैचों में लगभग सभी भारतीय खिलाड़ी खेल रहे हैं। दलीप ट्रॉफी टूर्नामेंट में अब तक यश ढुल और अंकित कुमार के शतकों की बदौलत नॉर्थ जोन ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है। वहीं दूसरे मैच में, दानिश मालेवार के शानदार डेब्यू और रजत पाटीदार व यश राठौड़ के शानदार प्रदर्शन से सेंट्रल जोन ने सेमीफाइनल में जगह बनाई।

न्यूयार्क में अमेरिकी ओपन टेनिस में खेलती हुई अमेरिका की जेसिका पैगुला।

विश्व एथलेटिक्स में नीरज सहित 19 सदस्यीय भारतीय दल उतरेगा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा सहित 19 सदस्यीय भारतीय दल जापान में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भाग लेगा। ये चैंपियनशिप 13 से 21 सितंबर तक तोक्यो में खेली जाएगी। इस चैंपियनशिप में पहली बार चार भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी भाग लेंगे। इसमें नीरज के अलावा सचिन यादव, यशवीर सिंह और रोहित यादव जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। भारतीय में पांच महिला खिलाड़ी भी शामिल हैं। भारत ने इससे पहले साल 2023 में हंगरी में हुए पिछले टूर्नामेंट में 28 एथलीट भेजे थे जिनमें सात रिले धावक शामिल थे। वहीं इस बार रिले स्पर्धा के लिए एक भी खिलाड़ी क्वालीफाई नहीं कर पाया। भारत को पदक की सबसे अधिक उम्मीदें नीरज से हैं। नीरज ने साल 2023 में बुडापेस्ट में स्वर्ण पदक जीता था। तीन हजार मीटर स्टीपलचेज के स्टार खिलाड़ी अविनाश साबले ने इसके लिए क्वालीफाई किया था पर जुलाई में एसीएल सर्जरी के कारण वह इस प्रतियोगिता से बाहर हो गये हैं।।

भारतीय दल इस प्रका है: पुरुष- नीरज चोपड़ा, सचिन यादव, यशवीर सिंह और रोहित यादव (पुरुष भाला फेंक), मुरली श्रीशंकर (पुरुष लंबी कूद), गुलवीर सिंह (पुरुष 5,000 मीटर और 10,000 मीटर), प्रवीण चित्रावेल और अब्दुल्ला अबुबाकर (पुरुष त्रिकूद), सर्वेश अनिल कुशारे (पुरुष ऊंची कूद), अनिमेष कुजूर (पुरुष 200 मीटर), तेजस शिरसे (पुरुष 110 मीटर बाधा दौड़), सर्विन सबेस्टियन (पुरुष 20 किमी पैदल चाल), राम बाबू और संदीप कुमार (पुरुष 35 किमी पैदल चाल)।

महिलाएं: पारुल चौधरी और अंकिता ध्यानी (महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज), अन्नू रानी (महिलाओं की भाला फेंक), प्रियंका गोस्वामी (महिलाओं की 35 किमी पैदल चाल), पूजा (महिलाओं की 800 मीटर और 1500 मीटर)।

विश्व बैडमिंटन स्पर्धा में सात्विक-चिराग की जीत पर इंदौर की सरताज अकादमी में जश्न

इंदौर ■ निप्र

भारत के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ी सात्विकसाईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने 19वीं विश्व बैडमिंटन स्पर्धा में दूसरी बार कांस्य पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि की खुशी इंदौर की सरताज अकादमी में बड़े ही उत्साह के साथ मनाई गई। अकादमी के युवा खिलाड़ियों ने अपने चहेते सितारों की तस्वीरों और पोस्टरों के साथ जश्न मनाया।

पेरिस, फ्रांस में हुई इस स्पर्धा में विश्व में नौवें नंबर की सात्विक और चिराग की जोड़ी सेमीफाइनल में चीन के चेन बो यांग और लियु यि से हार गई, लेकिन उनका प्रदर्शन असाधारण रहा। इस कांस्य पदक के साथ, वे विश्व बैडमिंटन स्पर्धा के इतिहास में युगल में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय जोड़ी बन गए हैं। यह जीत सिर्फ एक पदक नहीं, बल्कि युवा खिलाड़ियों के लिए एक बड़ी प्रेरणा है।

सरताज अकादमी के प्रबंध निदेशक और प्रशिक्षक धर्मेश यशलहा ने बताया कि बच्चों ने सात्विक और चिराग के खेल का भरपूर आनंद लिया। इस समय अकादमी में 69वीं सरताज लीग बैडमिंटन स्पर्धा चल रही है जिसमें युगल मुकाबले हो रहे हैं, जिससे यह जीत और भी प्रासंगिक हो गई है। यशलहा ने भारत के बैडमिंटन इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भारत 2011 से लगातार विश्व स्पर्धा में पदक जीत रहा है। अब तक, देश ने कुल 15 पदक हासिल किए हैं, जिनमें 1 स्वर्ण, 4 रजत और 10 कांस्य शामिल हैं। सबसे पहले प्रकाश पादुकोण ने 1983 में कांस्य पदक जीता था, और उसके बाद पी.वी. सिंधु ने 2019 में विश्व विजेता बनकर इतिहास रचा। अन्य उल्लेखनीय पदक विजेताओं में साइना नेहवाल, ज्वाला गुट्टा, अश्विनी पोनप्पा और किदांबी श्रीकांत शामिल हैं। भविष्य की बात करें तो, भारत 2026 में 20वीं विश्व बैडमिंटन स्पर्धा की मेजबानी करेगा, जो नई दिल्ली में होगी। इस साल अक्टूबर में गुवाहाटी, असम में विश्व जूनियर बैडमिंटन स्पर्धा भी होनी है।

व्यापार समाचार

अब तक का तगड़ा उछाल

मोदी सरकार को जीएसटी से मिला रिकॉर्ड 1.86 लाख करोड़ का राजस्व

अगस्त में जीएसटी वसूली 6.5% बढ़ी, दिवाली से पहले नए सुधार की तैयारी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

सरकार ने सोमवार को अगस्त महीने का जीएसटी कलेक्शन जारी किया और इस बार आंकड़े राहतभरे रहे। अगस्त 2025 में जीएसटी से 1.86 लाख करोड़ रुपये का खजाना भरा गया, जो पिछले साल अगस्त की तुलना में 6.5% ज्यादा है। तुलना करें तो अगस्त 2024 में यही कलेक्शन 1.75 लाख करोड़ रुपये था। हालांकि, जुलाई 2025 में 1.96 लाख करोड़ की वसूली के मुकाबले यह आंकड़ा थोड़ा कम है।

घरेलू राजस्व ने संभाली कमान: सरकारी रिपोर्ट बताती है कि घरेलू राजस्व में तेज उछाल की वजह से अगस्त का ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन बढ़ा। बीते महीने घरेलू रेवेन्यू 9.6% बढ़कर 1.37 लाख करोड़ रुपये रहा, जबकि आयात कर में 1.2% की मामूली गिरावट आई और यह घटकर 49,354 करोड़ रुपये रह गया। वहीं, जीएसटी रिफंड का ट्रेंड थोड़ा निराशाजनक रहा-सालाना आधार पर इसमें 20% की कमी आई और यह 19,359 करोड़ रुपये पर सिमट गया।

बैठक से पहले बड़े संकेत: दिलचस्प बात यह है कि यह मजबूत कलेक्शन ऐसे वक्त आया है, जब दो दिन बाद जीएसटी काउंसिल की अहम बैठक होने जा रही है। इसमें टैक्स स्लैब कम करने और जीएसटी रेट्स को युक्तिसंगत बनाने पर चर्चा होगी।

'नेक्स्ट-जेन' जीएसटी सुधार की तैयारी: 15 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से ऐलान किया था कि सरकार जल्द 'नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी रिफॉर्म' लेकर आ रही है। उनका दावा था कि नए सुधारों से आम आदमी पर टैक्स का बोझ घटेगा और इसे दिवाली से पहले लागू करने की उम्मीद है। प्रस्ताव है कि नई व्यवस्था में जीएसटी दरें घटाकर सिर्फ दो स्लैब रखी जाएं-5% और 18%।

अप्रैल बना रिकॉर्ड होल्डर

अब तक का सबसे बड़ा जीएसटी कलेक्शन अप्रैल 2025 में हुआ था, जब सरकार ने 2.37 लाख करोड़ रुपये जुटाए थे। यह जीएसटी लागू होने के बाद से अब तक का उच्चतम स्तर है।

जीओएम की हरी झंडी, अब काउंसिल की बारी: 20-21 अगस्त को हुई ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स (जीओएम) की बैठक में भी यही सुझाव सामने आया था कि 12% और 28% स्लैब को खत्म कर केवल 5% और 18% दरें रखी जाएं। हालांकि, सरकार को अंदेशा है कि इस कदम से लगभग 40,000 करोड़ रुपये का राजस्व नुकसान हो सकता है। अब अंतिम निर्णय 3-4 सितंबर को होने वाली 56वीं जीएसटी काउंसिल बैठक में लिया जाएगा।

दुनिया को 200 प्रति बैरल कीमत तेल से बचाया

भारत का अमेरिका को जवाब-अंतरराष्ट्रीय नियमों के तहत तेल खरीदा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने तेल खरीदने पर रूस-यूक्रेन युद्ध को फंडिंग मिलने के आरोपों का जवाब दिया है। पेट्रोलियम मिनिस्टर हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भारत ने अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन करते हुए तेल खरीदा है, जिससे ग्लोबल मार्केट में तेल की कीमतें स्थिर रहीं।

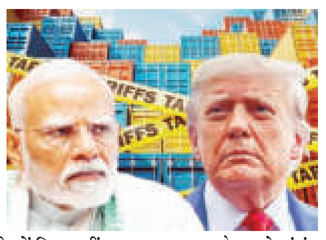

हरदीप सिंह ने द हिन्दू अखबार के लिए लिखे कॉलम में कहा भारत ने कोई नियम नहीं तोड़ा। हमने G7 के तय मूल्य सीमा (प्राइस कैप) का पालन किया। इन नियमों को रूस की कमाई सीमित रखने और तेल की आपूर्ति बनाए रखने के लिए डिजाइन किया गया है।

उन्होंने कहा कि भारत ने बाजार को स्थिर रखा और दुनिया को 200 डॉलर प्रति बैरल कच्चे तेल की कीमत से बचाया है। इससे पहले अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने के कारण भारत पर 50% टैरिफ लगाया था। ट्रम्प के ट्रेड सलाहकार पीटर नवारो भी भारत पर रूस को जंग के लिए पैसा उपलब्ध कराने का आरोप लगा चुके हैं।

भारत पर जंग को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था: इससे पहले 27 अगस्त को ट्रम्प के ट्रेड सलाहकार पीटर नवारो ने यूक्रेन जंग को मोदी वॉर बताया था। नवारो ने ब्लूमबर्ग टीवी के इंटरव्यू में भारत पर जंग को बढ़ावा देने और दोहरा खेल खेलने का आरोप लगाया। नवारो ने कहा कि भारत रूस से सस्ता तेल खरीदकर उसे रिफाइन करता है और ऊंची कीमत पर बेचता है। इससे रूस को जंग के लिए पैसा मिलता है और वो यूक्रेन पर हमला करता है। नवारो ने चेतावनी देते हुए कहा कि रूस और चीन के साथ भारत के बढ़ते संबंध दुनिया के लिए खतरा बन सकते हैं।

भारत रूसी तेल का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार: भारत, चीन के बाद रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार है। यूक्रेन युद्ध से पहले भारत रूस से सिर्फ 0.2% (68 हजार बैरल प्रतिदिन) तेल इम्पोर्ट करता था। मई 2023 तक यह बढ़कर 45% (20 लाख बैरल प्रतिदिन) हो गया, जबकि 2025 में जनवरी से जुलाई तक भारत हर दिन रूस से 17.8 लाख बैरल तेल खरीद रहा है। पिछले दो साल से भारत हर साल 130 अरब डॉलर (11.33 लाख करोड़ रुपए) से ज्यादा का रूसी तेल खरीद रहा है। सस्ते रूसी तेल से भारतीय तेल कंपनियों का मुनाफा बढ़ा: वित्त वर्ष 2020 में भारत अपनी जरूरत का केवल 1.7% तेल रूस से आयात करता था। ये हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2025 में बढ़कर 35.1% हो गई है। रूस से सस्ता तेल खरीदने का फायदा ऑयल कंपनियों के मुनाफे पर भी दिखा है। 2022-23 में इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम का कुल मुनाफा 3,400 करोड़ था।

मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई 59.3 पर, प्रोडक्शन में तेजी

नई दिल्ली। भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर ने अगस्त में मजबूत ग्रोथ दर्ज की गई। एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) जुलाई के 59.1 से बढ़कर 59.3 हो गया। एसएंडपी ग्लोबल की ओर से जारी आंकड़ों में यह जानकारी सामने आई। पीएमआई का यह स्तर बीते 17 साल और छह महीने में ऑपरेटिंग स्थिति में सबसे तेज सुधार को दिखाता है। सर्वे में शामिल कारोबार ने इनपुट स्टॉक्स में बढ़ोतरी की रिपोर्ट दी, जबकि फिनिश्ड प्रोडक्ट्स का इन्वेंटरी भी नौ महीनों में पहली बार बढ़ा। एचएसबीसी इंडिया प्रमुख प्रांजल भंडारी ने कहा, अगस्त में भारत का मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई एक नई ऊंचाई पर पहुंचा, इसका कारण उत्पादन में तेज विस्तार है।

महिंद्रा एक्सयूवी 700 का 2026 फेसलिफ्ट वर्जन पेश करने की तैयारी

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में महिंद्रा की फ्लैगशिप एसयूवी एक्सयूवी 700 पहले ही बड़ी लोकप्रियता हासिल कर चुकी है। महिंद्रा कंपनी इसका 2026 फेसलिफ्ट वर्जन पेश करने की तैयारी में है। बीते दिनों इसका टेस्टिंग मॉडल कैमरे में नजर आया है, जिससे इसके डिजाइन और फीचर्स से जुड़ी कई अहम जानकारी सामने आई है। नई एक्सयूवी 700 फेसलिफ्ट में डिजाइन को और ज्यादा स्पोर्टी और मॉडर्न बनाने पर फोकस किया गया है। इसमें नया बंपर, अपडेटेड हेडलैंप्स और रिवाइज्ड टेल-लाइट्स देखने को मिलेंगी।

पॉपुलर कॉम्पैक्ट एसयूवी किगर का फेसलिफ्ट वर्जन लांच

नईदिल्ली। भारतीय बाजार में रेनॉल्ट इंडिया ने अपनी पॉपुलर कॉम्पैक्ट एसयूवी किगर का फेसलिफ्ट वर्जन लॉन्च कर दिया है। नई रेनॉल्ट किगर का बेस वैरिएंट अथेंटिक अब पुराने आरएक्सई से सिर्फ 15,000 रुपये महंगा है, जबकि टॉप-स्पेक इमोशन वैरिएंट की कीमत पिछले मॉडल से केवल 6,000 रुपये ज्यादा है। कंपनी ने कीमतों में मामूली बढ़ोतरी की है, लेकिन फीचर्स और लुक्स के मामले में नई किगर को और ज्यादा आकर्षक व प्रीमियम बना दिया गया है। डिजाइन और फीचर्स के लिहाज से नई किगर पहले से कहीं ज्यादा मॉडर्न और फ्रेश नजर आती है। एक्सटीरियर में नई ग्रिल, अपडेटेड बंपर, स्टाइलिश एलईडी डीआरएल और हेडलैंप दिए गए हैं, जो इसे और ज्यादा स्पोर्टी बनाते हैं।

8700 तक के डॉक्यूमेंट-गिफ्ट की बुकिंग पर भी रोक लगी

अमेरिका के लिए पोस्टल सर्विस पूरी तरह से सस्पेंड

नई दिल्ली, निप्र। भारतीय डाक विभाग ने अमेरिका के लिए सभी तरह की पोस्टल सर्विस पर टेम्परेरी तौर पर रोक लगा दी है। ये फैसला अमेरिका के 50 प्रतिशत टैरिफ के बाद कस्टम विभाग के नए नियमों में अस्पष्टता के चलते किया गया है। इसमें 100 डॉलर तक के लेटर, दस्तावेज और गिफ्ट आइटम्स भी शामिल हैं। इससे पहले डाक विभाग ने 25 अगस्त से इन कैटेगरी को छोड़कर सभी पार्सल पर रोक लगा दी थी।

विभाग ने रविवार को कहा कि जब तक स्थिति साफ नहीं होती और एयरलाइंस अमेरिका जाने वाले डाक पार्सल ले जाने को तैयार नहीं होतीं, तब तक यह रोक जारी रहेगी।

डाक विभाग ने बताया- जिन्होंने पहले ही बुकिंग कराई है लेकिन सामान भेजा नहीं जा सका, वे पोस्टेज का रिफंड ले सकते हैं। हम हालात पर नजर रखे हुए है और जल्द से जल्द सेवा बहाल करने की कोशिश की जा रही है।

पहले 70 हजार रुपए तक के सामान ड्यूटी फ्री थे: एक्सट्रा टैरिफ लागू होने के बाद 29 अगस्त से अमेरिका जाने वाले सभी अंतरराष्ट्रीय डाक सामानों पर देश-विशेष इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर एक्ट टैरिफ स्ट्रक्चर के अनुसार कस्टम ड्यूटी देनी पड़ रही है। चाहे उनकी कीमत कितनी भी हो।

हालांकि, अभी भी 100 डॉलर (करीब 8,700 रुपए) तक की कीमत वाले लेटर, डॉक्यूमेंट और गिफ्ट आइटम्स को ड्यूटी से छूट मिलती रहेगी, लेकिन नियम इसके लिए भी स्पष्ट नहीं है। इसके चलते एयरलाइंस इन्हें भी नहीं ले जा रही है। वहीं, 29 अगस्त से पहले 800 डॉलर यानी करीब 70 हजार रुपए तक के सामान ड्यूटी फ्री थे।

चांदी के गहनों पर हॉलमार्किंग लागू, टैक्स रिटर्न की आखिरी तारीख 15 सितंबर

19 किलो वाला गैस सिलेंडर 51.50 तक सस्ता

नई दिल्ली ■ एजेंसी

सितंबर में 7 बड़े बदलाव हो रहे हैं, जो सीधे आपसे जुड़े हैं। आज से 19 किलो वाला कॉमर्शियल गैस सिलेंडर ?51.50 तक सस्ता हो गया है। वहीं, सोने के बाद अब सरकार चांदी के गहनों पर भी हॉलमार्किंग 1 सितंबर से लागू कर रही है।

इधर, कॉमर्शियल प्लेन में इस्तेमाल होने वाले एविएशन टर्बाइन फ्यूल की कीमत 1,308.41 रुपए तक घट गई है। इससे हवाई सफर सस्ता हो सकता है।

1. गैस सिलेंडर सस्ता- कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम ?51.50 तक घटे

आज से 19 किलो वाला कॉमर्शियल गैस सिलेंडर ?51.50 तक सस्ता हो गया है। दिल्ली में इसकी कीमत 51.50 रुपए घटकर 1580 हो गई है। पहले ये 1631.50 में मिल रहा था। वहीं कोलकाता में ये अब 50.50 रुपए सस्ता होकर 1684 रुपए में मिलेगा।

घरेलू सिलेंडर के दामों में बदलाव नहीं: सिल्वर ज्वेलरी हॉलमार्किंग- चांदी के गहनों के लिए छह शुद्धता ग्रेड तय किए

भारतीय मानक ब्यूरो ने घोषणा की है कि सोने की तरह ही 1 सितंबर से चांदी के गहनों की हॉलमार्किंग की जाएगी। ये गुणवत्ता नियंत्रण में एक बड़ा कदम है।

इस कदम का मकसद पारदर्शिता बढ़ाना है। हॉलमार्किंग से शुद्धता की गारंटी मिलती है। हॉलमार्क साबित करता है कि ज्वेलरी में दी गई चांदी कितनी शुद्ध है। इससे ग्राहक का भरोसा बढ़ता है।

स्वैच्छिक लागू करना: 1 सितंबर से चांदी के गहनों की हॉलमार्किंग स्वैच्छिक होगी, जैसा कि पहले सोने के लिए स्वैच्छिक लागू किया गया था।

शुद्धता के ग्रेड: बीआईएस ने चांदी के गहनों के लिए छह शुद्धता ग्रेड तय किए हैं- 800, 835, 900, 925, 970, और 990।

3. इनकम टैक्स डेडलाइन- 15 सितंबर तक फाइल करना होगा टैक्स: वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने की आखिरी तारीख 15 सितंबर, 2025 है। मई में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स और प्रोफेशनल बॉडीज की बार-बार मांग के बाद इस डेडलाइन को 31 जुलाई से बढ़ाया गया था। वहीं जिन टैक्सपेयर्स के खातों का ऑडिट जरूरी है।

संक्षिप्त समाचार

आठ साल बाद 2025 में सबसे कम रहा औसत एक्यूआई

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में रहने वालों के लिए थोड़ी राहत भरी खबर है। पिछले आठ सालों में इस साल जनवरी से अगस्त के बीच दिल्ली में औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक(एक्यआई) सबसे कम रहा। जनवरी-अगस्त अवधि के दौरान दिल्ली का औसत एक्यूआई 172 दर्ज किया गया, जबकि इसी अवधि के दौरान यह क्रमश: 2024 में 187, 2023 में 174, 2022 में 194, 2021 में 192, 2020 में 147, 2019 में 199, 2018 में 203 था। सोमवार को वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि इस वर्ष अगस्त माह में 23 'अच्छे-संतोषजनक' दिन थे, जबकि 2018 में 19 दिन, 2019 में 22 दिन, 2020 में 31 दिन, 2021 में 11 दिन, 2022 में 18 दिन, 2023 में 08 दिन तथा 2024 में 29 दिन 'अच्छे-संतोषजनक' थे। अनुकूल मौसम संबंधी परिस्थितियों और विभिन्न हितधारकों के प्रयासों से, अगस्त महीने में दिल्ली का औसत एक्यूआई में भी पिछले कुछ वर्षों में सुधार देखा गया। अगस्त महीने का औसत एक्यूआई क्रमश: 2025 में 89, 2024 में 72, 2023 में 116, 2022 में 93, 2021 में 107, 2020 में 64, 2019 में 86 और 2018 में 111 दर्ज किया गया। 2025 में इस अवधि (जनवरी-अगस्त) में एक भी दिन ऐसा नहीं था जब औसत एक्यूआई 400 (गंभीर या गंभीर+ श्रेणी) से अधिक रहा हो।

डिब्रूगढ़ जेल में बंद सांसद अमृतपाल सिंह डाक मतपत्र से करेंगे उपराष्ट्रपति चुनाव में वोट

चंडीगढ़। भारत के चुनाव आयोग ने असम की डिब्रूगढ़ स्थित केंद्रीय जेल में बंद पंजाब से लोकसभा सांसद अमृतपाल सिंह को उपराष्ट्रपति चुनाव में डाक मतपत्र से मतदान की सुविधा देने संबंधी आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। पंजाब के मुख्य चुनाव अधिकारी ने कहा है कि पंजाब के खडूर साहिब-03 संसदीय क्षेत्र से लोकसभा सांसद अमृतपाल सिंह को उपराष्ट्रपति चुनाव 2025 में मतदान की सुविधा देने संबंधी आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। आयोग ने राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 के तहत नजरबंद अमृतपाल सिंह को राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनाव नियम, 1974 के नियम 26 के प्रावधानों के अनुसार निर्देश दिया है कि उन्हें मतदान की सुविधा देने के लिए एक डाक मतपत्र (पोस्टल बैलेट पेपर) जारी किया जाए। निर्धारित प्रक्रिया के तहत नजरबंदी के अंतर्गत जेल में बंद मतदाताओं के लिए डाक मतपत्र केवल मतदान के दिन ही उपलब्ध कराए जाते हैं

भूपेन्द्र यादव ने सीओपी 30 के अध्यक्ष आंद्रे कोरेया से मुलाकात की

नई दिल्ली। केन्द्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने यहां सोमवार को जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) के पक्षों का 30वां सम्मेलन (सीओपी30) के मनोनीत अध्यक्ष राजदूत आंद्रे कोरेया डो लागो और उनकी टीम के साथ मुलाकात की। भूपेन्द्र यादव ने इस मुलाकात की जानकारी एक्स पर दी। उन्होंने कहा कि हमने सीओपी 30 के महत्वपूर्ण एजेंडे से संबंधित मामलों पर व्यापक चर्चा की, जिसमें अनुकूलन पर वैश्विक लक्ष्य, निर्धारित योगदान (एनडीसी) की स्थिति और इस वर्ष की आयोजनों की अध्यक्षता पर विशेष ध्यान दिया गया। बातचीत के दौरान उन्होंने सीओपी 30 के प्रतिनिधियों को बताया कि कैसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत अपने समग्र सरकारी दृष्टिकोण के माध्यम से अपने घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय जलवायु कार्रवाई कार्यक्रमों के माध्यम से जलवायु परिवर्तन संकट का मुकाबला कर रहा है। उल्लेखनीय है कि 2025 संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन के पक्षों का सम्मेलन, जिसे आमतौर पर सीओपी 30 के रूप में जाना जाता है।

किसानों की शिकायतों, सुझाव एवं अन्य मदद के लिए एक ही समर्पित पोर्टल रहेगा: शिवराज

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को किसानों से कॉल सेंटर एवं अन्य पोर्टल्स के माध्यम से मिलने वाली शिकायतों के समाधान के संबंध में समीक्षा की। कृषि भवन में हुई बैठक में शिवराज सिंह ने अलग-अलग पोर्टल की जगह किसानों की सुविधा के लिए उनकी शिकायतों, सुझाव तथा अन्य सहायता के लिए एक ही समर्पित पोर्टल बनाने और समस्याओं का जल्द से जल्द समुचित निराकरण करने का निर्देश अधिकारियों को दिया। केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि वे स्वयं नियमित रूप से किसानों से मिली शिकायतों की समीक्षा करेंगे ताकि उन्हें त्वरित राहत प्रदान की जा सकें। किसानों से प्राप्त शिकायतों व हेल्पलाइन नंबर पर आ रही कॉल्स को लेकर केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने गंभीरता दिखाते हुए कहा कि किसानों की समस्याओं के समाधान में कोई देरी नहीं होना चाहिए।

पंजाब में इस बार इतनी क्यों मच रही है तबाही ?

बाढ़, बारिश और नदियों में उफान, शहर से गांव तक जलमग्न...

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अगस्त-सितंबर 2025 में पंजाब में आई भयानक बाढ़ ने पूरे राज्य को हिला दिया. यह बाढ़ पिछले 40 सालों में सबसे खराब बताई जा रही है, जो 1988 वाली बाढ़ से भी ज्यादा विनाशकारी है. 1300 से ज्यादा गांव पानी में डूब गए. लाखों लोग बेघर हो गए. फसलें बर्बाद हो गईं और जानमाल का भारी नुकसान हुआ. इस बार बाढ़ क्यों आई? क्या ज्यादा बारिश जिम्मेदार है या नदियों का बहाव? वैज्ञानिक कारण क्या हैं?

यह बाढ़ 13 अगस्त 2025 से शुरू हुई, जब हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के ऊपरी इलाकों में भारी बारिश हुई. मानसून का 9वां दौर इतना तेज था कि सतलुज, ब्यास और रावी नदियां उफान पर आ गईं. पोंग, भाखड़ा और रंजीत सागर डैमों से अतिरिक्त पानी छोड़ा गया, क्योंकि डैम भर चुके थे.

गुरदासपुर (323 गांव), कपूरथला (107), फिरोजपुर (101), पठानकोट (89), होशियारपुर (85), मुक्तसर (64), फाजिल्का (52), तरन तारन (45), मोगा (35), संगरूर और बरनाला (22-22 गांव). 1312 गांव प्रभावित हुए, जो करीब 1.46 लाख लोगों को बेघर कर दिया. स्कूल 3 सितंबर तक बंद हैं. सेना, एनडीआरएफ, बीएसएफ ने 11330 से ज्यादा लोगों को बचाया।

दोनों जिम्मेदार हैं, लेकिन मुख्य वजह ऊपरी इलाकों में हुई ज्यादा बारिश है. हिमाचल और जम्मू-कश्मीर में मॉनसून की भारी बारिश से नदियों के कैचमेंट एरिया भर गए. इससे सतलुज, ब्यास और रावी नदियां 2-4 लाख क्यूसेक पानी लेकर बहने लगीं, जो खतरे के स्तर से ऊपर थीं. डैमों से पानी छोड़ना पड़ा, जिससे डाउनस्ट्रीम में बहाव बढ़ गया। क्लाइमेट चेंज से मॉनसून अनियमित हो गया है, जिससे बारिश की तीव्रता बढ़ी. हिमाचल और जम्मू-कश्मीर की बारिश से नदियां उफान पर आ गईं. नदियों का बहाव ही नहीं, बल्कि सीजनल नहर (जैसे घग्गर) भी उफान पर आईं. कुल मिलाकर, 70 प्रतिशत नुकसान बारिश से और 30त्न डैम रिलीज से हुआ. हिमालयी क्षेत्र का भूगोल-पंजाब मैदानी है, लेकिन नदियां ऊंचे पहाड़ों से आती हैं. जहां क्लाउडबर्स्ट से तेज पानी बहता है. वाइली जर्नल की एक स्टडी (2024) के अनुसार, क्लाइमेट चेंज से मॉनसून सिस्टम बदल गया है - पूर्व, दक्षिण और पश्चिम से वेदर सिस्टम एक साथ आते हैं, जिससे नमी बढ़ जाती है. इससे नॉर्थ इंडिया में 26.5 प्रतिशत ज्यादा बारिश हुई।

बारिश के चलते स्वीमिंग पूल बना गुरुग्राम कई इलाकों में आवागमन हुआ बंद

नई दिल्ली। गुरुग्राम, जिसे मिलेनियम सिटी भी कहते हैं, हर मॉनसून में बाढ़ की चपेट में आ जाता है. सड़कें डूब जाती हैं. कारें रेंगने लगती हैं. घंटों ट्रैफिक जाम लग जाता है. लोग परेशान हो जाते हैं. 2025 के मॉनसून में भी, जुलाई-अगस्त-सितंबर में हुई भारी बारिश ने शहर को ठप कर दिया।

गोल्फ कोर्स रोड, सोहना रोड, एनएच-8 जैसे इलाकों में पानी भर गया, घरों में घुस गया और कई जगहों पर बिजली कट गई. यह समस्या बारिश की है या शहर की प्लानिंग की है या ड्रेनेज सिस्टम क्यों फेल होता है।

गुरुग्राम में औसतन सिर्फ 600 मिमी बारिश होती है, जो कोच्चि जैसे शहरों (3,000 मिमी) से बहुत कम है. फिर भी, यहां हर मध्यम बारिश में बाढ़ आ जाती है. यह शहर की खराब प्लानिंग की वजह से है. 1970-80 के दशक में, कई प्राइवेट कंपनियों ने तेजी से विकास किया, लेकिन बिना किसी बड़े प्लान के.

सरसों के खेतों पर हाईराइज और हाईवे बन गए, लेकिन रोड्स में सही ढलान (ग्रेडिएंट) नहीं रखा गया. अरावली पहाड़ियों से पानी उत्तर की ओर बहता है, लेकिन प्राकृतिक नालों को नष्ट कर दिया गया. पहले 60 नेचुरल कैनाल थे, अब सिर्फ 4 बचे हैं.

कंक्रीट की वजह से जमीन पानी सोख नहीं पाती. कंक्रीट में पानी सिर्फ 2 फीसदी ही जमीन अंदर जाता है. कंक्रीट ड्रेन पानी को सोखने नहीं देते, बल्कि बाढ़ बढ़ाते हैं. रैपिड अर्बनाइजेशन से ड्रेनेज सिस्टम पुराना पड़ गया।

कराची के एयरस्पेस के ठीक सामने युद्धाभ्यास करेगी भारतीय वायुसेना

नई दिल्ली ■ एजेंसी

ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को घुटनों पर लाने के बाद भी भारतीय वायुसेना रुकी नहीं है। वायुसेना लगातार युद्धाभ्यास कर रही है और अपनी तैयारियों को पूर्ण रख रही है। अब जानकारी सामने आई है कि भारतीय वायुसेना कराची की एयरस्पेस के ठीक सामने युद्धाभ्यास करने जा रही है। वायुसेना इस अभ्यास में कई विमान शामिल होंगे। वायुसेना के इस अभ्यास को ध्यान में रखते हुए ह्लह्र्रू जारी कर दिया गया है।

सामने आई जानकारी के मुताबिक, भारतीय वायुसेना गुजरात और राजस्थान से सटे हुए इलाकों में 2 सितंबर की तारीख को सुबह 11 बजे से लेकर 3 सितंबर की तारीख को करीबन दोपहर 2 बजे तक युद्धाभ्यास करेगी। ये युद्धाभ्यास कराची की एयरस्पेस के ठीक सामने होगा। भारतीय वायुसेना के मुताबिक ये एक रूटीन एक्सरसाइज है। इसके लिए नोटेम इश्यू किया हुआ है। भारतीय वायुसेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने हाल ही में जानकारी दी थी कि भारतीय वायुसेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के पांच लड़ाकू विमानों और एक बड़े विमान को मार गिराया था। पाकिस्तान के एक विमान को तो लगभग 300 किलोमीटर की दूरी से निशाना बनाया गया। यह वास्तव में सतह से हवा में मार गिराने का अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है, जो भारत ने हासिल किया है। वहीं, ऑपरेशन सिंदूर में अहम भूमिका निभाने वाले वरिष्ठ वायुसेना अधिकारी एअर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी ने हाल ही में जानकारी दी है कि भारतीय वायुसेना द्वारा पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों पर 50 से भी कम हथियार दागे गए थे।

पवन खेड़ा के पास भी दो एक्टिव वोटर आईडी, अमित मालवीय ने शेयर किए ईपीआईसी नंबर

नई दिल्ली ■ एजेंसी

बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता अमित मालवीय ने कांग्रेस और उसके नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए. उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर दावा किया कि कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा के पास दो सक्रिय ईपीआईसी नंबर हैं, जो चुनावी कानूनों का सीधा उल्लंघन है. मालवीय ने कहा कि राहुल गांधी लगातार वोट चोरी का आरोप लगाते हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि कांग्रेस के कई नेता खुद चुनावी नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं. उन्होंने यह भी याद दिलाया कि सोनिया गांधी ने भारतीय नागरिक बनने से पहले ही भारत की वोटर लिस्ट में अपना नाम दर्ज कराया था.

अमित मालवीया ने पवन खेड़ा के दो वोटर आईडी नंबरों की जानकारी भी सोशल मीडिया पर शेयर की है. मालवीय का दावा है कि यह चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है कि वह जांच करे कि पवन खेड़ा ने कैसे दो सक्रिय ईपीआईसी नंबर हासिल किए और क्या उन्होंने एक से अधिक बार वोट भी डाला. उन्होंने आरोप लगाया कि पवन खेड़ा बिहार में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मतदाताओं को गुमराह कर रहे हैं और देश की चुनावी प्रक्रिया को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं।

बीजेपी प्रवक्ता अमित मालवीय ने इसके साथ ही राहुल गांधी पर भी हमला बोला और कहा कि उन्होंने अभी तक अपने आरोपों पर शपथपूर्वक कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई है. उन्होंने याद दिलाया कि सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही महाराष्ट्र में कथित चुनावी गड़बड़ी से जुड़े मामले को खारिज कर दिया था। अमित मालवीय ने कहा कि सच यह है कि कांग्रेस ही क्विंटेसेंशियल वोट चोर है और वर्षों से गैरकानूनी घुसपैठियों को वैध ठहराकर जनादेश चुराती रही है. उन्होंने दावा किया कि चुनाव आयोग की एसआईआर की प्रक्रिया कांग्रेस की असलियत उजागर करेगी. मालवीय ने अंत में कहा कि राहुल गांधी लोकतंत्र के लिए खतरनाक हैं और देश को इस सच्चाई को समझना होगा। गोरखपुर में बीजेपी विधायक महेंद्र पाल सिंह के भाई भोलेंद्र पाल सिंह को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनके ओएसडी के खिलाफ सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

उपराष्ट्रपति चुनाव: विपक्षी उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी ने एनडीए उम्मीदवार को गायब बताया

हैदराबाद ■ एजेंसी

उपराष्ट्रपति चुनाव में विपक्षी गठबंधन इंडिया के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी ने अपने प्रतिद्वंद्वी और सत्तारूढ़ एनडीए के उम्मीदवार सी.पी. राधाकृष्णन पर तीखा हमला बोला है। सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि राधाकृष्णन न तो दिखाई दे रहे हैं और न ही बोल रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर वह बोलते तो एक स्वस्थ बहस संभव होती।

पूर्व न्यायाधीश सुदर्शन रेड्डी ने कहा, मेरे प्रतिद्वंद्वी दिखाई नहीं दे रहे हैं। वह बोलते नहीं हैं। पता नहीं वह कहां हैं, क्या कर रहे हैं। अगर दोनों उम्मीदवार बोलेंगे तो बहस होगी, बातचीत होगी। लोगों से परिचय कराने का एक मौका होगा। सिर्फ मतदाताओं से नहीं। मुझे वह मौका नहीं मिला।

टिप्पणी को विस्तार से समझाने के लिए कहे जाने पर सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि उन्होंने यह टिप्पणी इस दृष्टिकोण से की है कि यदि राधाकृष्णन भी बोलते तो एक स्वस्थ बातचीत होती। यह पूछे जाने पर कि वर्तमान परिस्थितियों में भारत के सामने सबसे बड़ी संवैधानिक चुनौती क्या है, रेड्डी ने कहा कि संविधान के सामने सबसे गंभीर चुनौती महान संवैधानिक संस्था- भारत के निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली में खामी है। उन्होंने कहा, अगर ऐसा ही चलता रहा तो इस देश में लोकतंत्र खतरे में पड़ जाएगा। मेरा यही मानना है।

मुख्यमंत्री रेड्डी द्वारा उन्हें इंडिया गठबंधन का उम्मीदवार बताए जाने संबंधी टिप्पणी पर स्पष्टीकरण देते हुए सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि अब वह विपक्षी दलों के उम्मीदवार हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें आम आदमी पार्टी (आप) जैसे उन दलों का भी समर्थन प्राप्त है जो इंडिया गठबंधन में शामिल नहीं हैं। उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ना संविधान के साथ उनकी 53 वर्ष की लंबी यात्रा का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि उपराष्ट्रपति पद का चुनाव भारत के हालिया इतिहास में अब तक लड़े गए सबसे निष्पक्ष और सभ्य चुनावों में से एक होगा।

उन्होंने कहा, हमारा देश बहुसंख्यकवादी नहीं है। हमारा समाज बहुभाषी, बहुसांस्कृतिक और बहुधार्मिक है।

मशहूर फिल्म निर्देशक संजय लीला भंसाली फिर विवादों में

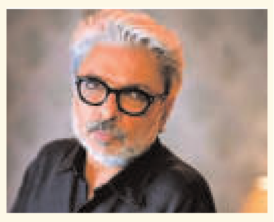

नई दिल्ली। चर्चित फिल्म निर्देशक संजय लीला भंसाली की मुश्किलें एक बार फिर से बढ़ती हुई नजर आ रही हैं। बीकानेर में उनके खिलाफ गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है। यह एफआईआर फिल्म की शूटिंग के दौरान हुए विवाद को लेकर दर्ज कराई गई है। फिल्म जगत से जुड़ी एक बड़ी और सनसनीखेज खबर बीकानेर से सामने आई है। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने मशहूर फिल्म निर्देशक संजय लीला भंसाली एफआईआर दर्ज की गई है।

शताब्दी एक्सप्रेस में बिना टिकट यात्रा, एमपी के डिप्टी सीएम के नाम पर जमाई धौंस

युवक के मोबाइल में मिले दिग्गज नेताओं के नंबर

सूरत ■ एजेंसी

मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल के नाम से फर्जी कॉल करके रेलवे सुरक्षा बल को धमकाने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया गया है. आरोपी ने खुद को उपमुख्यमंत्री बताकर बिना टिकट यात्रा कर रहे एक व्यक्ति को छुड़ाने की कोशिश की थी.

दरअसल, आरपीएफ के ड्यूटी ऑफिसर सब-इंस्पेक्टर को एक अनजान नंबर से कॉल आया. कॉल करने वाले ने खुद को मध्य प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला बताया और कहा कि उनके एक परिचित रणजीत यादव सूरत स्टेशन पर बिना टिकट यात्रा करते हुए पकड़े गए हैं और उन्हें छोड़ दिया जाए.

पश्चिम रेलवे पुलिस ने बताया कि हमने स्थानीय स्टेशन पर जांच की तो पता चला कि रणजीत यादव नाम का एक व्यक्ति बिना टिकट पकड़ा गया था और उसकी रसीद काटी गई थी. जिसके बाद पुलिस ने उस व्यक्ति को सामने से मिलने बुलाया और जब उससे पूछताछ की गई तो पता चला कि इसी रणजीत यादव (21 साल) ने मध्यप्रदेश के डिप्टी सीएम का फोटो अपने वॉट्सएप पर लगाकर कॉल किया था। वह खुद को डिप्टी सीएम का परिचित बताकर फायदा उठाने की कोशिश कर रहा था. उसके फोन की जांच में देश के कई बड़े नेताओं और अधिकारियों के नंबर मिले, जिनमें सीएम, डिप्टी सीएम, मंत्री, एसपी, डीएसपी, पुलिस इंस्पेक्टर और आरपीएफ अधिकारी शामिल थे। इससे साफ हो गया कि आरोपी धोखाधड़ी और छल-कपट के जरिए रेलवे अधिकारियों को प्रभावित करने की योजना बना रहा था।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कृषि क्षेत्र की देशभर की स्थिति की समीक्षा की

राज्यों में बाढ़ के मद्देनजर शिवराज ने नुकसान की जानकारी ली

नई दिल्ली ■ एजेंसी

देश के कई राज्यों में हो रही बारिश के कारण बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। बाढ़ ने किसानों की मुसीबतों को बढ़ा दी है। सोमवार को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कृषि क्षेत्र की देशभर की स्थिति की समीक्षा के साथ पंजाब में बाढ़ से हुए नुकसान की जानकारी ली।

कृषि भवन में सोमवार को आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में शिवराज सिंह ने पंजाब के कुछ इलाकों में आई बाढ़ व फसलों पर इसके असर के बारे में भी वरिष्ठ अधिकारियों से जानकारी हासिल की। शिवराज सिंह ने कहा कि पंजाब के किसान भाई-बहन बिल्कुल चिंता नहीं करें, केंद्र सरकार प्राकृतिक आपदा के इस संकट में पूरी तरह प्रभावित किसानों के साथ खड़ी हुई हैं। शिवराज सिंह ने कहा कि वे आगामी दिनों में पंजाब के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर स्थिति का रूबरू जायजा लेने के साथ ही मौके पर पीड़ित किसानों से भी मिलेंगे और उन्हें हरसंभव मदद की जाएगी।

बैठक में केंद्रीय कृषि सचिव डा. देवेश चतुर्वेदी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने देशभर में कृषि क्षेत्र की स्थिति को लेकर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह को विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान बताया गया कि खरीफ बुवाई क्षेत्रफल में पिछले वर्ष के मुकाबले आशाजनक वृद्धि हुई है। खाद्यान्न फसलों के साथ ही बागवानी क्षेत्र की प्रगति के बारे में भी केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने जानकारी ली। विशेषकर आलू, प्याज और टमाटर के उत्पादन की स्थिति और कीमतों के बारे में उन्होंने जानकारी हासिल की। बैठक में अधिकारियों ने विभिन्न राज्यों में हो रही बारिश और जलाशयों की स्थिति के बारे में भी बताया, जिसमें कहा गया कि कई राज्यों में इस वर्ष औसत से अधिक बारिश हुई, जो फसलों के लिए लाभदायक स्थिति है। अच्छी बारिश से जलाशय लबालब हैं। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए कि खाद्यान्न फसलों के साथ ही किसानों को बागवानी सहित इंटीग्रेटेड फार्मिंग के लिए प्रोत्साहित किया जाएं, ताकि किसानों को अधिक लाभ हो सकें। भविष्य की मांग के मद्देनजर हमें खेतों में अनाज के साथ अन्य वैकल्पिक उपायों से कृषि क्षेत्र का समग्र विकास करना होगा। बागवानी और इंटीग्रेटेड फार्मिंग इस दिशा में कारगर उपाय है। उन्होंने इंटीग्रेटेड फार्मिंग मॉडल के किसानों के बीच व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए भी निर्देशित किया।

नाम परिवर्तन सूचना

वैभव कुंभारे (VAIBHAV KUMBHARE) आ. श्री चंद्रकांत कुंभारे निवासी- A2/203, Canal Kinship Salaiya Bhopal Madhya Pradesh 462026 आधार नं.-6172 6995 9088

मैं वर्तमान में Hindustan Unilever limited Mumbai में पदस्थ हूँ। मेरा नाम वैभव कुंभारे (VAIBHAV KUMBHARE) है जो कि मेरे शैक्षणिक अभिलेख में है जबकि मेरा पासपोर्ट में मेरा नाम वैभव चंद्रकांत कुंभारे (VAIBHAV CHANDRAKANT KUMBHARE) अंकित है। मैं अपने पासपोर्ट में अपना नाम वैभव चंद्रकांत कुंभारे (VAIBHAV CHANDRAKANT KUMBHARE) के स्थान पर वैभव कुंभारे (VAIBHAV KUMBHARE) दर्ज करवाना चाहता हूँ।

वैभव कुंभारे
आ. श्री चंद्रकांत कुंभारे
निवासी- A2/203, Canal Kinship Salaiya Bhopal Madhya Pradesh 462026

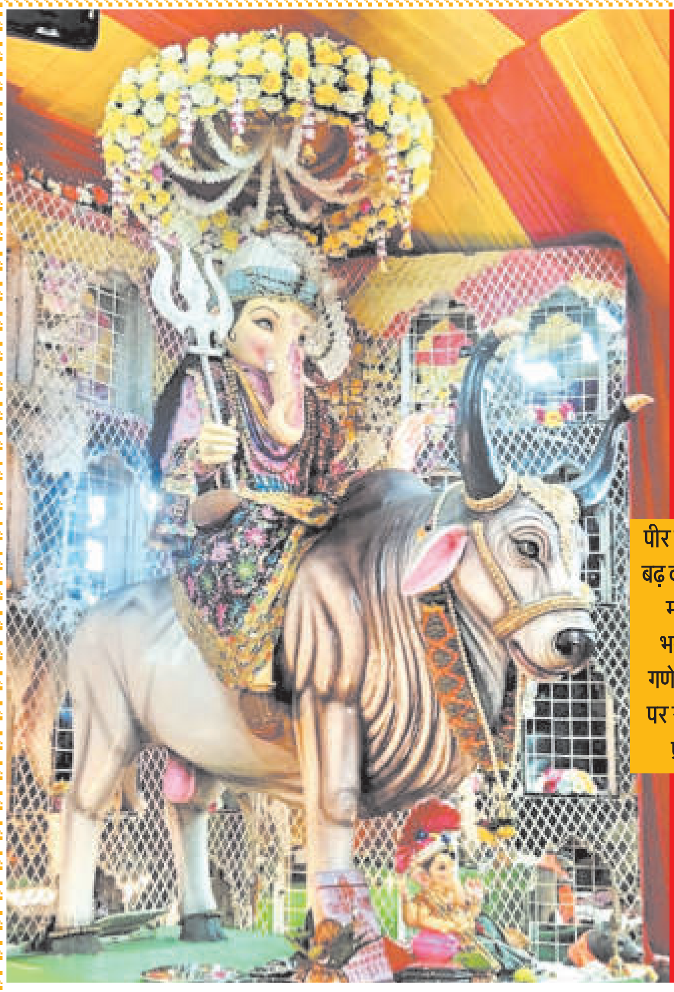

पीर गेट के पास बढ़ वाले महादेव मंदिर पर भगवान श्री गणेश की नंदी पर सवार भव्य प्रतिमा।

श्री गणेश महोत्सव के चलते आर्यन बाल उत्सव समिति द्वारा हर्षवर्धन नगर में आकर्षक प्रतिमा स्थापित की।

डोल ग्यारस कल

चल समारोह में दर्जनों डोल होंगे शामिल

भोपाल ■ अमृत दर्शन

डोल ग्यारस कल मनाई जाएगी। इस दौरान भव्य चल समारोह निकाला जाएगा। जिसमें दर्जनों डोल शामिल होंगे। नये तथा पुराने भोपाल में निकले वाले चल समारोह को लेकर प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था का इंतेजार किये है।

वर्ष 2025 में परिवर्तिनी एकादशी व्रत 03 सितंबर, दिन बुधवार को रखा जा रहा है। जलझूलनी एकादशी, जिसे पार्श्व एकादशी या डोल ग्यारस के नाम से भी जाना जाता है, भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष में आती है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा का विशेष महत्व है। इस दिन भगवान विष्णु करवट बदलते हैं, इसलिए इसे परिवर्तिनी एकादशी कहते हैं। इसी दिन भगवान कृष्ण की मूर्तियों को पालकी में बिठाकर नदी या तालाब के किनारे ले जाकर जल में डुबकी लगवाई जाती है, जिसे जलझूलनी यात्रा भी कहते हैं।

हिंदू धर्म में परिवर्तनी एकादशी व्रत बहुत महत्व रखता है, क्योंकि इस दिन को देव उठनी एकादशी की पूर्व संध्या भी कहा जाता है। इस एकादशी के व्रत से ब्रह्मा, विष्णु सहित तीनों लोकों की पूजा के समान पुण्य मिलता है। यह एकादशी भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मनाई जाती है। इस साल ये व्रत 3 सितंबर, 2025 को बुधवार के दिन किया जाएगा। इस एकादशी को डोल ग्यारस, जलझूलनी और पद्मा एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। मान्यता है कि, इस दिन भगवान विष्णु योग निद्रा में रहते हुए करवट बदलते हैं। इस बार की परिवर्तनी एकादशी तिथि दुर्लभ मानी जा रही है, क्योंकि इस दिन आयुष्मान योग, सौभाग्य योग और रवि योग का निर्माण हो रहा है। परिवर्तिनी एकादशी के व्रत का पारण 4 सितंबर को दोपहर में 1.36 बजे से शाम 4.07 बजे के बीच कर सकते हैं।

इस दिन पूर्वाषाढ़ नक्षत्र सुबह से लेकर रात 11.08 बजे तक है। उसके बाद से उत्तराषाढा नक्षत्र लगेगा।

परिवर्तनी एकादशी तारीख : पंचांग के अनुसार, परिवर्तिनी एकादशी भाद्रपद शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मनाई जाती है। इस साल भाद्रपद मास में शुक्ल पक्ष की एकादशी की शुरूआत 3 सितंबर बुधवार को सुबह 3.53 बजे होगी। यह 4 सितंबर गुरुवार को सुबह 4.21 बजे तक मान्य रहेगी। ऐसे में उदयातिथि के आधार पर परिवर्तिनी एकादशी का व्रत और पूजा 3 सितंबर बुधवार को की जाएगी।

शुभ मुहूर्त

- **ब्रह्म मुहूर्त :** सुबह 04.30 बजे से 05.15 बजे तक
- **लाभ-उन्नति मुहूर्त :** सुबह 06.00 बजे से 07.35 बजे तक
- **अमृत-सर्वोत्तम मुहूर्त :** सुबह 07.35 बजे से 09.10 बजे तक

इस समय न करें पूजा

- **भद्रा काल :** परिवर्तिनी एकादशी के दिन भद्रा का वास पाताल लोक में है। परिवर्तिनी एकादशी पर भद्रा का प्रारंभ शाम को 4.12 बजे से हो रहा है। यह अगले दिन 4 सितंबर को सुबह 4.21 बजे तक है।
- **राहु काल :** परिवर्तिनी एकादशी पर राहुकाल दोपहर में 12.20 बजे से शुरू होगा, जो दोपहर में 01.55 मिनट तक है।

3 योगों का शुभ समय

- **आयुष्मान योग :** सुबह से लेकर शाम 4.17 बजे तक है
- **सौभाग्य योग :** शाम 4.17 बजे के बाद से पूरी रात रहेगा
- **रवि योग :** सुबह 6 बजे से रात 11.08 बजे तक रहेगा

मैनिट की प्रोफेसर रचा इतिहास

बनीं द ग्रेट हिमालयन अल्ट्रा 2025 की पहली महिला फिनिशर

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) भोपाल की हायक प्रोफेसर, कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग विभाग की डॉ. प्रगति अग्रवाल ने इतिहास रचते हुए द ग्रेट हिमालयन अल्ट्रा (TGHU) 2025 की 7वीं संस्करण पूरी करने वाली पहली महिला साइकिलिस्ट बनने का गौरव हासिल किया। उन्होंने 600 किमी का मार्ग 36 घंटे 58 मिनट में, पुरुषों की कटऑफ समय के भीतर पूरा किया। रेस में 7500 मीटर से अधिक की ऊंचोई चढ़ाई, पतली हवा, भूस्खलन, बाढ़, उच्च ऊंचाई की बीमारी और अचानक मौसम बदलाव जैसी कठिनाइयां थीं। पहले दिन उन्हें 4,000 मीटर से ऊपर लंबे समय तक साइकिल चलाने से सिर दर्द और शरीर में सूजन का सामना करना पड़ा, जबकि दूसरे दिन लगातार बारिश ने गीले कपड़ों में घंटों साइकिल चलाने के लिए मजबूर किया।

डॉ. अग्रवाल ने कहा है कि अनुशासन, स्वास्थ्य और आशीर्वाद से कोई भी असंभव हासिल किया जा सकता है। उनकी क्रू शिव, यश, रवीना, हिमांशु, स्तांज़िन और मुस्तफा को बेस्ट क्रू अवार्ड मिला।

फैक्ट्री का मजदूर टंकी की सफाई करते 50 फीट से गिरा, मौत

गेट के सामने शव रख किया प्रदर्शन, 1 आश्रित को नौकरी और 5 लाख मुआवजे पर मामला हुआ शांत

औबेदुल्लागंज ■ अमृत दर्शन

निजी कम्पनियों में मजदूरों के साथ हादसों का सिलसिला नहीं थम रहा है। आये दिन फैक्ट्रियां में दुर्घटनाएं होती है। ताजा मामला औबेदुल्लागंज की एरिस बायोनेक्स्ट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी से सामने आया है, जहां एक मजदूर टंकी की सफाई करते समय 50 फीट ऊपर से गिर गया जिससे उसकी मौत हो गई। आक्रोशित मृतक के परिजनों ने कम्पनी के गेट पर शव रख कर मुआवजे की मांग की।

दरअसल 30 साल का मृतक पवन पाल ग्राम धामधूसर का निवासी और कम्पनी में ठेकेदारी पर काम करता था। परिजनों का आरोप है कि बिना सुरक्षा इंतजाम के 50 से 60 फीट ऊपर टंकी की सफाई कराई जा रही थी जिससे यह हादसा हुआ है। अगर सेफ्टी उपक्रम होते तो शायद उसकी मौत नहीं होती। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कंपनी संचालक ने मृतक के भाई को नौकरी और पत्नी को 5 लाख मुआवजा देने का आश्वासन दिया उसके बाद परिजनों ने शव को कंपनी के गेट हटाकर अंतिम संस्कार के लिए ले गए। मण्डीदीप और तामोट इंडस्ट्रियल एरिया में ज्यादातर कंपनियों में बिना सेफ्टी उपकरणों के मजदूरों से काम कराया जाता है जिसके कारण इस तरह से हादसे सामने आते है।

भोपाल में तीन कलेक्टर समेत कई अधिकारियों का सरकारी बंगलों पर कब्जा

तत्काल खाली करने का नोटिस

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्य प्रदेश सरकार ने राजधानी भोपाल में लंबे समय से बंगलों पर कब्जा जमाए बैठे तीन कलेक्टरों समेत कई वरिष्ठ अधिकारियों पर सख्ती दिखाते हुए उनके सरकारी मकान खाली कराने के निर्देश दिए हैं। गृह विभाग ने एस्टेट विभाग को आदेश दिया है कि जिन अधिकारियों का तबादला महीनों पहले हो चुका है और उन्हें संबंधित जिलों में आवास आवंटित भी कर दिए गए हैं, वे तुरंत बंगले खाली करें।

जानकारी के अनुसार, दमोह कलेक्टर सुधीर कोचर, उमरिया कलेक्टर धरेंद्र कुमार जैन और मंदसौर कलेक्टर अदिति गर्ग राजधानी भोपाल में सरकारी मकान अब तक खाली नहीं किया है। यही नहीं, उज्जैन के अपर आयुक्त रत्नाकर झा, रायसेन की अपर कलेक्टर श्वेता पवार, राजगढ़ के सीईओ महीप तेजस्वी, ग्वालियर के डीआईजी अमित सांघी, ग्वालियर की अपर आयुक्त निधि सिंह, इंदौर के डीएसपी उमाकांत चौधरी और रीवा के सीईओ मेहताब सिंह गुर्जर भी महीनों से स्थानांतरण के बाद भोपाल के सरकारी मकानों में जमे हुए हैं। गृह विभाग ने साफ कर दिया है कि अब किसी को भी मोहलत नहीं मिलेगी। जिन अधिकारियों ने समय रहते बंगले खाली नहीं किए, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

निशा बांगरे को भी मिला था नोटिस

बता दें 2023 विधानसभा चुनाव के पहले डिप्टी कलेक्टर निशा बांगरे को भी सरकारी मकान खाली नहीं करने पर नोटिस भेजा गया था। बांगरे के चुनाव लड़ने की अटकलों के चलते यह मामला बहुत गरमाया था। उस समय नोटिस में उनके भोपाल से ट्रांसफर होने के बाद भी सरकारी आवास पर अवैध कब्जे के लिए कार्रवाई किए जाने की बात कही थी। हालांकि बांगरे ने निजी कारण से बंगला खाली नहीं कर पाने का कारण बताया था और नोटिस मिलने के कुछ दिन बाद बंगला खाली कर दिया था।

सीएम डॉ. मोहन ने तेजा दशमी की दी बधाई

भोपाल। सीएम डॉ मोहन यादव ने तेजा दशमी की बधाई दी हैं। उन्होंने वीर तेजाजी से सुख, शांति और समृद्धि की कामना की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोक देवता वीर तेजाजी की कृपा से सबका जीवन खुशहाल हो। मुख्यमंत्री डॉ मोहन ने प्रदेशवासियों को तेजा दशमी की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर लिखा- लोक आस्था के महापर्व तेजा दशमी की सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। लोक देवता वीर तेजाजी की कृपा से सभी का जीवन सुख, शांति और समृद्धि से परिपूर्ण हो, मेरी यही प्रार्थना है।

भोपाल। प्रदेश कुशवाहा समाज के प्रदेश कार्यालय एवं छात्रावास का लोकार्पण नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष हिना कावरे, नारायण सिंह कुशवाहा, पूर्व मंत्री पीसी शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष योगेश मानसिंह कुशवाहा के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री प्रदीप प्रदमसिंह तोमर, सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग एवं नारायण सिंह कुशवाहा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री संरक्षक नारायण सिंह कुशवाहा सहित प्रदेशभर से कुशवाहा समाज के लोग उपस्थित रहे।

जिन वाहनों पर एचएसआरपी नहीं, उन्हें कई सुविधाएं नहीं मिलेंगी

हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट में ढिलाई पर रद्द होगा डीलर्स का ट्रेड लाइसेंस

भोपाल ■ अमृत दर्शन

हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) सभी वाहनों में न लगवा पाने के कारण मप्र का अन्य राज्यों से औसत कम है। इस कारण मिनिस्ट्री ऑफ रोड ट्रांसपोर्ट एंड हाईवेज (मॉर्थ) ने परिवहन विभाग को 3 महीने में बाकी बचे वाहनों पर एचएसआरपी लगवाने के निर्देश दिए हैं। इसमें 1 अप्रैल 2019 से पहले रजिस्टर्ड वाहनों में एचएसआरपी लगवाना और 1 अप्रैल 2019 के बाद के रजिस्टर्ड वाहनों में डीलर्स द्वारा नंबर प्लेट लगवाकर उन्हें सियाम पोर्टल पर अपलोड करवाना शामिल हैं। इसके बाद परिवहन आयुक्त विवेक शर्मा ने प्रदेश के सभी आरटीओ की बैठक लेकर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

इधर, भोपाल आरटीओ जितेंद्र शर्मा ने भी शोरूम डीलर्स के साथ बैठक कर ली है। इसमें एचएसआरपी जल्द लगवाने की व्यवस्था करने को कहा है। तीन महीने में यदि वाहन मालिकों ने 1 अप्रैल 2019 से पहले रजिस्टर्ड अपने वाहनों में एचएसआरपी नहीं लगवाई तो उन्हें परिवहन विभाग से मिलने वाली 15 तरह की सेवाएं नहीं मिलेंगी। वहीं, 1 अप्रैल 2019 के बाद रजिस्टर्ड हुए वाहनों में डीलर्स ने एचएसआरपी नहीं लगाई तो उनका ट्रेड लाइसेंस भी निरस्त हो सकता है। भोपाल में 15 साल में करीब 19 लाख वाहन रजिस्टर्ड हैं। इनमें 5 लाख से ज्यादा वाहनों में एचएसआरपी नहीं लगी है।

ये सुविधाएं होंगी प्रभावित

- डुप्लीकेट पंजीकरण प्रमाण पत्र (आरसी) के लिए आवेदन।
- पंजीकरण प्रमाण पत्र में पता बदलना।
- शुल्क देकर आरसी विवरण देखना।
- मोटर वाहन के स्वामित्व अंतरण करना।
- हाइपोथिकेशन जोड़ना/हटाना।
- नवीन/डुप्लीकेट परमिट जारी करना।
- कराधान प्राधिकार (क्षेत्रीय/अतिरिक्त क्षेत्रीय/जिला परिवहन अधिकारी) द्वारा अनापत्ति जारी करना।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी. गोयल द्वारा सुख सागर, 6 पत्रकार नगर, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच. इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल-462023 (म.प्र.) से मुद्रित। फोनः 4240007 फैक्स 0755-4296195, आर.एन.आई नं. 50259/90 डाक पंजीयन नं. म.प्र./भोपाल/86/24-26 न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा। प्रधान संपादकः डी.पी.गोयल। मोबाईल नं. 9827054436 ।